मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 8 अंक 02
बुधवार, 09 जुलाई 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

जेलों में कट्टरपंथियों को पनपने से रोकने के लिए अमित शाह ने उठाये सख्त कदम

नई दिल्ली, 08 जुलाई। इस तरह के वाकये पूरी दुनिया में देखने को मिल रहे हैं कि जेलों में बंद कट्टरपंथी दूसरे कैदियों का भी ब्रेन वॉश करके उन्हें गलत राह पर धकेल देते हैं। देखा जाये तो जेलों में कैदियों को कट्टरपंथी बनाये जाने की घटनाएं अब गंभीर चुनौती बन चुकी हैं। यह प्रवृत्ति आंतरिक सुरक्षा के लिए तेजी से बड़ा खतरा बन रही है इसलिए संकट की गंभीरता को समझते हुए भारत सरकार ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से इस दिशा में तुरंत प्रभावी कदम उठाने का आग्रह किया है। हम आपको बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के गृह सचिवों को जारी एक परामर्श में कहा गया है कि कारागारों में बंद कमजोर मानसिकता वाले व्यक्तियों में उग्र विचारधारा के प्रसार को रोकना तथा ऐसे कैदियों को मुख्यधारा में लौटाने के लिए डि-रेडिकलाइजेशन की प्रक्रिया अपनाना अत्यंत आवश्यक है। यह न केवल सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए जरूरी है, बल्कि देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में भी सहायक सिद्ध होगा।

देखा जाये तो कारागार एक सीमित व नियंत्रित वातावरण होता है जहाँ सामाजिक अलगाव, समूह मनोवृत्ति तथा निगरानी की सीमितता जैसी परिस्थितियाँ अतिवादी विचारों के पनपने के लिए उपजाऊ भूमि बन जाती हैं। कई बंदी, जो पहले से ही हताशा, समाज से कटाव या हिंसात्मक प्रवृत्तियों से ग्रस्त होते हैं, ऐसे माहौल में उग्रपंथी विचारधाराओं के प्रभाव में आ जाते हैं। इसलिए गृह मंत्रालय ने चेताया है कि कुछ मामलों में कट्टरपंथी बंदी हिंसात्मक गतिविधियों में लिप्त हो सकते हैं।

चाहे वह जेल के स्टाफ पर हमला हो, अन्य बंदियों को नुकसान पहुँचाना हो या फिर बाहरी नेटवर्क के साथ मिलकर देश विरोधी गतिविधियों को अंजाम देना हो।

गृह मंत्रालय ने मॉडल प्रिजन मैनुअल 2016 और मॉडल प्रिजन्स एंड करेक्शनल सर्विसेज एक्ट, 2023 का हवाला देते हुए बताया कि इन मॉडल दस्तावेजों में उच्च-जोखिम कैदियों, उग्रवादियों आदि को अन्य कैदियों से पृथक रखने के लिए विशेष सुरक्षा वाले कारागारों की व्यवस्था की संस्तुति दी गई है।

पूर्व में जारी की गई सलाहों को दोहराते हुए गृह मंत्रालय ने राज्य सरकारों से अपेक्षा जताई है कि वे कठोर प्रवृत्ति के बंदियों की पहचान, निगरानी और परामर्श की प्रभावी व्यवस्था करें।

यूएनजीए में अफगानिस्तान के खिलाफ प्रस्ताव पर भारत ने मतदान से किया परहेज

नई दिल्ली, 08 जुलाई। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने सोमवार को अफगानिस्तान की बिगड़ती मानवीय, आर्थिक और मानवाधिकार स्थितियों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए एक प्रस्ताव को भारी बहुमत से पारित कर दिया, जिसमें तालिबान से दमनकारी नीतियों को वापस लेने और समावेशी शासन सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में अफगानिस्तान पर लाए गए एक मसौदा प्रस्ताव पर सोमवार को मतदान से परहेज किया और कहा कि सब कुछ सामान्य मान लेने वाले दृष्टिकोण से ऐसे परिणाम प्राप्त होने की संभावना नहीं है, जिनकी कल्पना वैश्विक समुदाय ने अफगान लोगों के लिए की है। अफगानिस्तान की स्थिति

पर जर्मनी द्वारा पेश किए गए एक मसौदा प्रस्ताव को 193-सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र महासभा ने मंजूरी दे दी। यह प्रस्ताव 116 मतों से पास हुआ, जबकि दों देशों ने विरोध किया और 12 देशों ने मतदान से दूरी बनाई, जिनमें भारत भी शामिल था।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि एवं राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने मतदान के स्पष्टीकरण में कहा कि संघर्ष के बाद की स्थिति से निपटने के लिए किसी भी प्रभावी नीति में विभिन्न उपायों का संतुलन होना चाहिए, जिसमें सकारात्मक व्यवहार को बढ़ावा देना और नुकसानदायक कार्यों को हतोत्साहित करना शामिल है।

हरीश ने कहा, हमारा मानना है कि केवल दंडात्मक उपायों पर केंद्रित दृष्टिकोण के सफल होने की संभावना नहीं है। संयुक्त राष्ट्र और व्यापक अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने अन्य संघर्ष-पश्चात संदर्भों में अधिक संतुलित और सूक्ष्म दृष्टिकोण अपनाया है।

उन्होंने कहा कि अगस्त 2021 में तालिबान द्वारा काबुल पर कब्जा करने के बाद से अफगानिस्तान में बिगड़ते मानवीय संकट से निपटने के लिए कोई नई नीतिगत व्यवस्था पेश नहीं की गई है।

तेजस्वी सूर्या ने कर्नाटक सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली, 08 जुलाई। भारतीय जनता पार्टी के सांसद तेजस्वी सूर्या ने मंगलवार को 'एक्स' पर एक पत्रकार की पोस्ट का जवाब देते हुए कर्नाटक सरकार पर कटाक्ष किया, जिसमें राज्य की वित्तीय स्थिति पर प्रकाश डाला गया था। कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार की आलोचना करते हुए तेजस्वी सूर्या ने कहा कि राज्य सरकार में काम करने वाले ठेकेदारों की स्थिति दयनीय है और ठेकेदारों को न केवल कट मनी के लिए परेशान किया जा रहा है, बल्कि वे वर्षों से भुगतान का इंतजार भी कर रहे हैं। भाजपा सांसद ने जोर देकर कहा कि बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) अपनी सबसे खराब स्थिति में है और कोई भी ठेकेदार निकाय के साथ काम करने को तैयार नहीं है।

तेजस्वी सूर्या ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि कर्नाटक में राज्य सरकार की परियोजनाओं पर काम करने वाले ठेकेदारों की स्थिति दयनीय है। ठेकेदारों को न केवल कट मनी के लिए परेशान किया जाता है, बल्कि भुगतान में सालों की देरी की जाती है, जिससे उनकी परियोजनाएं आर्थिक रूप से अव्यवहारिक हो जाती हैं। बीबीएमपी की स्थिति सबसे खराब है। कोई भी ठेकेदार काम करने और कोई भी काम करने के लिए तैयार नहीं है। वे गड्ढों को भरने के लिए भी आगे नहीं आ रहे हैं। कर्नाटक भर के निगमों के नगरपालिका कर्मचारियों ने मंगलवार को विभिन्न मांगों को पूरा करने की मांग को लेकर राज्य सरकार के खिलाफ सांकेतिक हड़ताल की। यह विरोध प्रदर्शन आज सुबह बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क में शुरू हुआ। राज्य भर के विभिन्न नगर निगमों के कर्मचारियों के साथ बीबीएमपी (बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका) के कर्मचारियों ने यहां फ्रीडम पार्क में विरोध प्रदर्शन में भाग लेने के लिए काम से छुट्टी ली। राज्य में दस नगर निगम आज बंद रहे। इसके अलावा, कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन में भाग लेने के लिए सामूहिक अवकाश लिया।

लगातार बारिश के कारण हिमाचल प्रदेश के सात जिलों में बाढ़ का खतरा मडराया

हिमाचल प्रदेश, 08 जुलाई। भारत के पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन की वजह से कई लोग लापता बताए जा रहे हैं। सप्ताहांत में असामान्य रूप से भारी बारिश के कारण 23 बाढ़ और 16 भूस्खलन की घटनाओं के बाद उत्तर भारतीय राज्य में सैकड़ों घर, पुल, सड़कें और बिजली के खंभे बह गए। हिमाचल प्रदेश राज्य सरकार की एक रिपोर्ट के अनुसार, 19 बादल फटने की घटनाएं भी हुईं, जिसमें अचानक भारी मात्रा में बारिश हुई। इस सप्ताह और अधिक बारिश की चेतावनी के साथ कई जिले भूस्खलन के लिए हाई अलर्ट पर हैं। हिमालय के पहाड़ी इलाकों में फैला हिमाचल प्रदेश हाल के वर्षों में बार-बार

प्रशासन ने बंद कराई 225 सड़कें

प्रभावित हुआ है क्योंकि जलवायु आपातकाल के कारण मानसून की बारिश अनियमित हो गई है और अधिक तीव्र, अनियंत्रित रूप से गिर रही है।हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में भारी बारिश होने के बीच स्थानीय मौसम विभाग ने मंगलवार को अगले 24 घंटों में सात जिलों के कुछ हिस्सों में अचानक हल्की से मध्यम बाढ़ आने की चेतावनी दी। ये जिले चंबा, कांगड़ा, मंडी, कुल्लू, शिमला, सोलन और सिरमौर हैं। मौसम विभाग ने अगले सोमवार तक अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने की चेतावनी देते हुए येलो अलर्ट भी जारी किया है।राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) के अनुसार, सबसे अधिक प्रभावित मंडी जिले में 153 मार्गों समेत कुल 225 सड़कें बंद कर दी गई हैं, जबकि राज्य में 163 ट्रांसफॉर्मर एवं 174 जलापूर्ति योजनाओं पर असर पड़ा है। हिमाचल प्रदेश में एक जून से आठ जुलाई तक 203.2 मिलीमीटर (मिमी) बारिश हुई है, जबकि इस अवधि में सामान्यतः 152.6 मिमी वर्षा होती है।

इस दौरान मंडी जिले में 110 फीसदी अधिक बारिश दर्ज की गई, शिमला में 89 फीसदी और ऊना में 86 फीसदी वर्षा हुई।मानसून ने 20 जून को हिमाचल प्रदेश में दस्तक दी थी। सोमवार शाम से राज्य के कई हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश हो रही है। मौसम विभाग के अनुसार, गोहर में 85 मिमी, सराहन में 84.5 मिमी, बैजनाथ में 60 मिमी, नाहन में 54.2 मिमी, पावंटा साहिब में 48 मिमी, नैना देवी में 46.2 मिमी, कसौली में 37 मिमी, जोगिंदरनगर में 28 मिमी, पालमपुर में 27.2 मिमी और शिमला में 19 मिमी बारिश दर्ज की गई।अधिकारियों ने बताया कि 20 जून को मानसून के आगमन के बाद से हिमाचल प्रदेश में आकस्मिक बाढ़ की 23, बादल फटने की 19 और भूस्खलन की 16 घटनाएं हुई हैं तथा राज्य में बारिश से संबंधित घटनाओं में अब तक 52 लोगों की मौत हो चुकी है। मंडी जिले में लापता हुए लोगों की खोज और बचाव के लिये अभियान को तेज कर दिया गया है।अधिकारियों का कहना है कि पिछले सप्ताह थुनाग, गोहर और करसोग उपसंभागों में 28 लोग लापता हो गये।

मनमोहन सामल के हाथ में भाजपा ओडिशा की कमान, निर्विरोध हुए निर्वाचित

ओडिशा, 08 जुलाई। भाजपा ने मनमोहन सामल को ओडिशा प्रदेश इकाई का फिर से अध्यक्ष नियुक्त किया है। सोमवार को उन्होंने अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया था। वह नामांकन करने वाले एकमात्र उम्मीदवार थे। भाजपा के केंद्रीय चुनाव पर्यवेक्षक संजय जायसवाल ने पार्टी के राज्य मुख्यालय में वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में मनमोहन सामल की इस पद पर पुनर्नियुक्ति की घोषणा की। चुनाव प्रक्रिया में 37 संगठनात्मक जिलों के 273 प्रतिनिधि शामिल रहे, जिनमें राज्य परिषद के सदस्य, जिला अध्यक्ष और दो लोकसभा सांसद, एक राज्यसभा सांसद और पांच विधायक जैसे निर्वाचित जनप्रतिनिधि शामिल हैं।

सामल का राज्य भाजपा अध्यक्ष के रूप में यह तीसरा कार्यकाल होगा। इससे पहले वे 1999 से 2004 तक इस पद पर रहे और मार्च 2023 में उन्हें फिर से नियुक्त किया गया। ओडिशा के तटीय भद्रक जिले में गहरी जड़ें रखने वाले जमीनी नेता सामल की राजनीतिक यात्रा संगठनात्मक कौशल से चिह्नित है। 66 वर्षीय सामल का राजनीतिक जीवन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से शुरू हुआ, जब वे 1979 में भद्रक कॉलेज के छात्र संघ के अध्यक्ष बने। वे जल्द ही भाजपा के रैंकों में ऊपर उठ गए।

अप्रैल 2000 में, वे ओडिशा का प्रतिनिधित्व करते हुए राज्यसभा के लिए चुने गए, और बाद में भद्रक में धामनगर निर्वाचन क्षेत्र से ओडिशा विधानसभा चुनाव जीतने के बाद 2004 में इस्तीफा दे दिया। बीजू जनता दल -भाजपा गठबंधन सरकार (2004-2008) के दौरान, सामल ने राजस्व और खाद्य आपूर्ति और उपभोक्ता कल्याण मंत्री के रूप में कार्य किया। सामल को 2024 के ओडिशा विधानसभा चुनावों में पार्टी को ऐतिहासिक जीत दिलाने, बीजेडी के 24 साल के शासन को समाप्त करने और भाजपा को राज्य में अपनी पहली सरकार बनाने में सक्षम बनाने का श्रेय दिया जाता है। हालाँकि, वह खुद भद्रक जिले के चंदबली निर्वाचन क्षेत्र से विधानसभा चुनाव हार गए।

बस ड्राइवर की जल्दबाजी से गई 3 मासूमों की जान

कुड्डालोर। कुड्डालोर जिले के सेम्मनकुप्पम में एक मानवयुक्त गेट पर एक स्कूली वैन को यात्री ट्रेन द्वारा टक्कर मार दिए जाने के बाद कम से कम तीन स्कूली बच्चों की मौत हो गई और चालक सहित दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। निजी सीबीएसई स्कूल कृष्णास्वामी विद्यानिकेतन की वैन कुड्डालोर और अलप्पक्कम के बीच रेलवे लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 170 (एक गैर-इंटरलॉक मानवयुक्त गेट) को पार करने का प्रयास कर रही थी, जब उसे ट्रेन नंबर 56813 विल्लुपुरम-मयिलादुथुराई पैसेंजर ने टक्कर मार दी। एक अन्य छात्र घायल हो गया है और उसे कुड्डालोर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पंकज शर्मा के रूप में पहचाने जाने वाले रेलवे गेटकीपर को नींद आ गई थी और वह गेट बंद करने में विफल रहा।

कंगना रनौत पर प्रतिभा सिंह का पलटवार

हिमाचल प्रदेश। हिमाचल प्रदेश में बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने के दौरान भाजपा सांसद कंगना रनौत के बयान पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि यह दुखद और खेदजनक स्थिति है। मैं भी सांसद रही हूं। मुझे पता है कि भारत सरकार हमें कितना पैसा आवंटित करती है, जो लोगों में बांटा जाता है और यह राहत कार्यों के लिए होता है। चाहे वह कोई आपदा हो या कोई अन्य समस्या, सांसद निधि का उपयोग उसी उद्देश्य के लिए किया जाता है। प्रतिभा सिंह ने कहा कि मुझे समझ नहीं आया कि यह सब कहते समय उनके मन में क्या था।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए
सम्पर्क करे: 9199355950

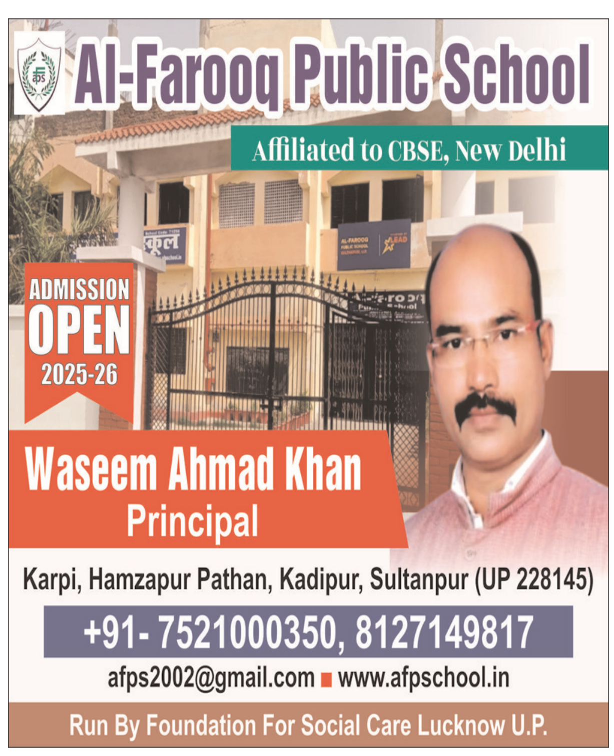

गुरु जीवनरूपी अंधेरों को मिटाकर उजाला करते हैं

-ललित गर्ग

गुरु पूर्णिमा- 10 जुलाई 2025

भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च है-ईश्वर से भी ऊंचा। गुरु न केवल ज्ञानदाता हैं, वे जीवन के वास्तुकार, जीवन-निमार्ता एवं संस्कारदाता हैं। वे शिष्य को केवल अक्षरों का ज्ञान नहीं देते, बल्कि आत्मा के स्वरूप से उसका परिचय कराते हुए उसका जीवन-निर्माण करते हैं। वे न केवल अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाते हैं, बल्कि जीवन की दुविधाओं, असमंजसों और भ्रमों को दूर कर उसे सार्थक दिशा देते हैं। ऐसे ही गुरु-तत्व के पूजन का पर्व है-गुरु पूर्णिमा, जो हर वर्ष आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा को श्रद्धा और समर्पण से मनाया जाता है। हिन्दू धर्म की मान्यता के अनुसार इस दिन महर्षि वेदव्यास का जन्म हुआ था, इसलिये इसे व्यास पूर्णिमा भी कहते है। वेदव्यास ने चारों वेदों का संकलन किया, पुराणों की रचना की और महाभारत जैसा अद्वितीय महाकाव्य रचा। वे न केवल ज्ञान के स्रोत थे, बल्कि आत्मबोध के महामार्गदर्शक भी थे। गुरु पूर्णिमा सन्मार्ग एवं सत-मार्ग पर ले जाने वाले महापुरुषों के पूजन का पव हैं, जिन्होंने अपने त्याग, तपस्या, ज्ञान एवं साधना से न केवल व्यक्ति को बल्कि समाज, देश और दुनिया को भवसागर से पार उतारने की राह प्रदान की है। भारतीय लोकचेतना में सत्य की ओर गति कराने एवं जीवन को जीवंतता देने वाले गुरु को ईश्वर माना गया है। इसीलिये पर्वों, त्यौहारों और उत्सवों की श्रृंखला में गुरु पूर्णिमा का सर्वोपरि महत्व माना गया है। यह अध्यात्म-जगत विशेषतः सनातन धर्म का महत्वपूर्ण उत्सव है, इसे अध्यात्म जगत की बड़ी घटना के रूप में जाना जाता है।

गुरु एक नाम नहीं, एक स्थिति है। वे केवल शरीरधारी व्यक्ति नहीं, एक दिव्य ऊर्जा हैं, जो हमारे भीतर शक्ति, ज्ञान एवं संस्कार को जागृत करती है। कबीरदास ने कहा-गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पाय? यह केवल काव्यात्मक अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि भारतीय आध्यात्मिक चेतना की वह आधारशिला है, जिस पर जीवन की संपूर्ण संरचना टिकी है। गुरु वही है जो मैं को गलाकर तू में मिला दे, जो अहंकार को मिटाकर आत्मा को उभार दे। यह केवल पूजा का दिन नहीं, आत्म-प्रेरणा का दिवस है; गुरु के प्रति कृतज्ञता, मार्गदर्शन और जीवन को नया मोड़ देने वाले उस आधारस्तंभ को नमन करने का दिन है। गुरु पूर्णिमा का पर्व विशेष रूप से सनातन धर्म, बौद्ध धर्म, जैन धर्म एवं भारतीय ज्ञान परंपरा में अत्यंत पूज्यनीय है। भारत की मनीषा में गुरु केवल धार्मिक या शैक्षणिक संस्था के सदस्य नहीं हैं, बल्कि वे एक आध्यात्मिक बीज हैं, जो शिष्य के अंतर्मन में चेतना का वृक्ष बनकर प्रस्फुटित होते हैं।

गुरु-शिष्य का संबंध केवल औपचारिक नहीं, आत्मिक होता है। शिष्य का अर्थ ही है-ह्वजो शीघ्र ग्रहण करे, जो समर्पित हो। और गुरु का अर्थ है-गु यानी अंधकार और रु यानी प्रकाश-जो अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाए। प्राचीन गुरुकुल परंपरा में यह संबंध अत्यंत पवित्र और जीवनपर्यंत टिकने वाला होता था। शिष्य केवल विद्या ही नहीं, गुरु के जीवन से भी सीखता था। चरित्र, संयम, श्रद्धा, विनम्रता और सेवा जैसे गुण गुरु के व्यक्तित्व से शिष्य के भीतर स्वतः उतरते थे। महावीर ने गौतम गणधर को, बुद्ध ने आनंद को, नानक ने अंगद को, श्रीकृष्ण ने संदीपनि को और फिर स्वयं अर्जुन को शिष्यत्व प्रदान किया। श्रीराम ने गुरु वशिष्ठ और विश्वामित्र से जीवन की मयार्दा सीखी, वहीं श्रीकृष्ण ने अर्जुन को युद्धभूमि में कर्मयोग का उपदेश देकर जगतगुरु का दर्जा पाया। ये उदाहरण दिखाते हैं कि सच्चा गुरु केवल ज्ञान नहीं देता-वह जीवन का दृष्टिकोण बदल देता है।

आज भौतिकतावादी युग में गुरु के प्रति आस्था में गिरावट आई है। शिक्षा संस्थान सूचना का प्रसार कर रहे हैं, लेकिन जीवन मूल्यों का संचार नहीं कर पा रहे। विद्यार्थियों को डिग्रियां तो मिल रही हैं, पर दिशा नहीं। ज्ञान है, पर विवेक नहीं विज्ञान है, पर आत्मा नहीं बुद्धि है, पर करुणा नहीं। इसका मूल कारण है-जीवन में सच्चे गुरु का अभाव। आज ट्यूटर हैं, टीचर हैं, प्रोफेसर हैं-पर गुरु नदारद हैं। ऐसे में गुरु पूर्णिमा हमें याद दिलाती है कि केवल पढ़ना-पढ़ाना पर्याप्त नहीं है, जीवन जीने की कला सिखाने वाला गुरु चाहिए। गुरु जीवन की धार को नया मोड़ देते हैं। जैसे नदी जब किसी घाट से गुजरती है, तो उसका स्वरूप बदलता है, वैसे ही गुरु का सान्निध्य शिष्य के भीतर नई चेतना, नई दृष्टि और नया जीवन का संचार करता है। वे हितचिंतक, मार्गदर्शक, विकास प्रेरक एवं विघ्नविनाशक होते हैं। उनका जीवन शिष्य के लिये आदर्श बनता है। उनकी सीख जीवन का उद्देश्य बनती है। अनुभवी आचार्यों ने भी गुरु की महत्ता का प्रतिपादन करते हुए लिखा है- गुरु यानी वह अर्हता जो अंधकार में दीप, समुद्र में द्वीप, मरुस्थल में वृक्ष और हिमखण्डों के बीच अग्नि की उपमा को सार्थकता प्रदान कर सके।

गुरु केवल उपदेश नहीं देता, वह जीता है। उसकी हर बात, हर चुप्पी, हर दृष्टि, हर मौन एक शिक्षा होती है। उसका जीवन एक ग्रंथ होता है, जिसकी हर बात शिष्य के जीवन में अमिट छाप छोड़ती है। शास्त्रों में कहा गया है-गुरु बिना गति नहीं, गुरु बिना ज्ञान नहीं, गुरु बिना मोक्ष नहीं। गुरु ही शिष्य के अंतर्मन में आत्मा की चिंगारी प्रज्वलित करता है। आज के समय में सबसे बड़ी चुनौती है-सच्चे गुरु की पहचान। आज ऐसे कई कथित गुरु हैं जो अपने अनुयायियों की संख्या, चमत्कारों और धन-संपत्ति के आधार पर महान कहलाते हैं। वे गुरु नहीं, व्यापारी हैं-जो मोक्ष, आत्मज्ञान, कुण्डलिनी जागरण, रोग निवारण और चमत्कारों के नाम पर लोगों की भावनाओं का दोहन कर रहे हैं। इनसे सावधान रहने की आवश्यकता है। ऐसे अज्ञानी, धन-लोलुप और पाखंडी लोगों ने गुरु परंपरा की छवि को धूमिल किया है। सही कहा गया है-पानी पीजै छान के, गुरु कीजै जान के ह्व

सच्चा गुरु न विज्ञापन करता है, न दिखावा। वह न चमत्कार दिखाता है, न भीड़ जुटाता है। वह मौन से शिक्षा देता है, दृष्टि से दिशा देता है और आशीर्वाद से शांति देता है। उसका सान्निध्य ही साधना है, उसकी चरण-वंदना ही ऊर्जा है। गुरु पूर्णिमा हमें स्मरण कराती है कि चातुर्मास काल में जब ईश्वर निद्रा में होते हैं तब गुरु ही हमें मार्ग दिखाते हैं। वे हमारे दुःखों का हरण करते हैं, मोह का निवारण करते हैं और जीवन को नई दृष्टि देते हैं। गुरु का सच्चा सम्मान केवल उनकी मूर्ति पर फूल चढ़ाना नहीं है, बल्कि उनके बताए मार्ग पर चलना है। उनके उपदेशों को आत्मसात करना, अपने जीवन में विनम्रता, सेवा, संयम और समर्पण जैसे गुणों को विकसित करना ही सच्ची गुरु-पूजा है। तुलसीदासजी ने हनुमान चालीसा में लिखा है-जय जय जय हनुमान गोसाईं, कृपा करहु गुरुदेव की नाई। जिनके पास कोई गुरु न हो, वे हनुमानजी को गुरु बना सकते हैं-क्योंकि गुरुत्व एक चेतना है, एक भावना है, एक समर्पण है। पश्चिमी देशों में गुरु का कोई महत्व नहीं है, वहां विज्ञान और विज्ञापन का महत्व है परन्तु भारत में सदियों से गुरु का महत्व रहा है। यहां की माटी एवं जनजीवन में राह दिखाने वाले दीपक होते हैं ईश्वरतुल्य गुरु, क्योंकि गुरु न हो तो ईश्वर तक पहुंचने का मार्ग कौन दिखायेगा?

गुरु वह दीप है, जो हमारे अंतर्मन के अंधकार को मिटाता है। वह वह द्वीप है, जो संसाररूपी समुद्र में दिशा देता है। वह वह वृक्ष है, जो तपते जीवन में छांव देता है। और वह ऐसी अग्नि है, जो चेतना को प्रज्वलित करती है। हमें इस गुरु पूर्णिमा पर यह संकल्प लेना चाहिए कि हम सच्चे गुरु की तलाश करें-जो भीतर की यात्रा कराए, जो अहंकार को तजने में सहायता करे, जो आत्मा की पहचान कराए। गुरु जीवन का वह मोड़ है, जहां से जीवन बदलता है। वह नया घाट है, जहां से आत्मा का जल बहता है। अंततः, गुरु पूर्णिमा केवल एक पर्व नहीं, आत्म-बोध और समर्पण का पर्व है। यही इसकी सार्थकता है कि हम गुरु को केवल पूजें नहीं, अपने भीतर जगाएं। जब तक जीवन में सच्चा गुरु नहीं आता, तब तक आत्मा मौन रहती है। जैसे ही गुरु आता है, आत्मा गूंज उठती है। गुरु जीवन को नया घाट देते हैं, नयी झंकार देते हैं।

एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी का ऑफर व महागठबंधन के लालू यादव ना में छुपी है असमंजस!

अशोक भाटिया

बिहार की सियासत एक बार फिर से करवट ले रही है। चुनाव नजदीक हैं। एनडीए के खिलाफ महागठबंधन की गोटियां बिछ रही हैं। लेकिन एक नाम है जो इस जोड़-तोड़ को बार-बार बिगाड़ देता है: असदुद्दीन ओवैसी। अक्टक्ट के बिहार अध्यक्ष अख्तरुल इमान ने हाल ही में लालू प्रसाद यादव को चिट्ठी लिखी। उन्होंने साफ-साफ कहा कि भाजपा को हराने के लिए हमें साथ आना चाहिए। लेकिन सवाल ये है कि क्या लालू यादव ओवैसी की पार्टी को गले लगाएंगे? मामला बेहद पेचीदा है। एआईएमआईएम भले ही भाजपा के खिलाफ है, लेकिन आरजेडी समेत महागठबंधन की कई पार्टियों को लगता है कि ओवैसी की पार्टी लड़ाई को और उलझा देती है। खासकर सीमांचल में।

लालू यादव की पार्टी की नींव यादव और मुस्लिम वोटरों पर टिकी है। जबकि ओवैसी की पकड़ मुस्लिम इलाकों में मजबूत होती जा रही है। अगर एआईएमआईएम को साथ लिया गया, तो मुस्लिम वोटों का बड़ा हिस्सा लालू को छोड़ ओवैसी के खाते में जा सकता है। ये सियासी जोखिम लालू या तेजस्वी शायद न लेना चाहें। लेकिन अगर RJD ओवैसी का ऑफर ठुकरा देती है, तो उसकी कीमत भी चुकानी पड़ सकती है। 2020 के विधानसभा चुनाव में एआईएमआईएम ने सीमांचल की 5 सीटें जीत ली थीं। ये वो सीटें थीं, जो कांग्रेस और आरजेडी जीतने का सपना देख रहे थे।अब फिर से ओवैसी दरवाजा खटखटा रहे हैं। लेकिन आरजेडी के प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने दो टूक कहा, एआईएमआईएम भाजपा की बी-टीम की तरह काम करती है। उन्होंने कहा कि फैसला लालू और तेजस्वी लेंगे, लेकिन बिहार में इस बार कोई वोट बंटवारा नहीं होगा। तेजस्वी की लहर सब पर भारी पड़ेगी।उधर, एआईएमआईएम भी जवाबी हमला करने में पीछे नहीं है। प्रवक्ता वारिस पठान कहते हैं, हर बार हमें बी-टीम कहते हैं, लेकिन कोई सबूत नहीं देते। हमने हरियाणा में चुनाव नहीं लड़ा, फिर वहां कांग्रेस क्यों हारी?

पठान का कहना है कि पार्टी का मकसद सिर्फ भाजपा को हराना है और सेक्युलर वोटों का बंटवारा रोकना है। अगर आम आदमी पार्टी लड़े तो कोई सवाल नहीं पूछता, लेकिन एआईएमआईएम को लेकर हर बार अंगुली उठाई जाती है।अगर लालू यादव ओवैसी का प्रस्ताव ठुकरा दें तो? वारिस पठान साफ कहते हैं, ह्यअगर गठबंधन नहीं होता, तब भी हम चुनाव लड़ेंगे। कोई हमें रोक नहीं सकता। उन्होंने संकेत दिया कि पार्टी अब सिर्फ मुस्लिम चेहरों तक सीमित नहीं रहेगी। पार्टी ने पूर्वी चंपारण की ढाका सीट से राजपूत नेता राणा रंजीत को उम्मीदवार बनाया है। और भी गैर-मुस्लिम उम्मीदवार जल्द सामने आ सकते हैं। सीमांचल से बाहर भी एआईएमआईएम ने जोर लगाना शुरू कर दिया है। पार्टी अब बाढ़, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, पलायन और मानव तस्करी जैसे मुद्दों को उठाने लगी है। खासकर उन इलाकों में, जहां अब तक कोई ध्यान नहीं देता था। एआईएमआईएम अगर महागठबंधन का हिस्सा नहीं भी बनी, तो भी सीमांचल की सियासत को उलट-पलट सकती है। और अगर साथ आई, तो मुस्लिम वोटों का समीकरण पूरी तरह से बदल जाएगा। बिहार के सीमांचल क्षेत्र (किशनगंज, कटिहार, अररिया, पूर्णिया) में 30-68% मुस्लिम आबादी है जहां AIMIM ने 2020 में मजबूत प्रदर्शन किया था। ओवैसी का यह ऑफर सीमांचल के मुस्लिम वोटरों को सीधा-सीधा संदेश है कि उनकी पार्टी सेक्युलर गठबंधन के साथ खड़ी है। ओवैसी का दावा है कि उनकी पार्टी 24 सीटें जीत सकती है और उसकी दावेदारी 50 सीटों की है ऐसे में फखऊ पर दबाव बढ़ गया है कि वह इस प्रस्ताव को गंभीरता से ले या न ले। यही कारण है कि तेजस्वी यादव इन दिनों मुस्लिम वोटों को लामबंद करने के लिए आक्रामक दिख रहे हैं। उन्होंने हाल में ही वक्फ कानून पर बयान दिया कि-हिंदुस्तान किसी के बाप का नहीं। वहीं, दूसरी ओर मुहर्रम के दौरान प्रतिबंधित क्षेत्र में भी मुहर्रम का ताजिया रबड़ी आवास पर जाना और रबड़ी देवी का पूजा-अर्चना करना बताता है कि आरजेडी मुस्लिम मतों को एकजुट रखने को लेकर बेहद गंभीर है, लेकिन AIMIM के प्रस्ताव पर वह असमंजस में है।

AIMIM ने पहले भी महागठबंधन में शामिल होने की इच्छा जताई थी, लेकिन फखऊने इसे ठुकरा दिया। लालू यादव और तेजस्वी यादव को डर है कि AIMIM के साथ गठबंधन से हिंदू वोटरों में नाराजगी बढ़ेगी और BJP इसे मुस्लिम तुष्टिकरण के रूप में प्रचारित करेगी। RJD प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने AIMIM को वोट कटुआ कहा और मनोज झा ने सुझाव दिया कि ओवैसी को चुनाव नहीं लड़ना चाहिए। यह डर RJD के MY समीकरण को बचाने और हिंदू वोटों को नहीं खोने की रणनीति से उपजा है। लेकिन इससे AIMIM को अकेले लड़ने का मौका मिल सकता है, जो आरजेडी और महागठबंधन के लिए बड़ा खतरा साबित हो सकता है।

असदुद्दीन ओवैसी ने दावा किया कि उनका लक्ष्य ठऋअ को हराना है और महागठबंधन के साथ गठजोड़ इस लक्ष्य को मजबूत करेगा। लेकिन RJD को लगता है कि AIMIM का साथ लेने से सीमांचल में सीटों का बंटवारा होगा, क्योंकि AIMIM 25-30 सीटों की मांग कर रही है, जबकि RJD 8-10 से ज्यादा देने को तैयार नहीं। 2020 में AIMIM की वजह से RJD को कई सीटों पर नुकसान हुआ था और तेजस्वी इस जोखिम को दोहराना नहीं चाहते। वहीं, जानकारों की नजर में अगर महागठबंधन की बेरुखी दिखाता है तो ओवैसी के लिए थर्ड फ्रंट बनाने की राह बन जाएगी जो RJD के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

मुहर्रम के दौरान सांप्रदायिक हिंसा और सनातन महाकुंभ जैसे आयोजनों ने बिहार में चुनावी माहौल को तनावपूर्ण बना दिया है। ओवैसी का ऑफर और तेजस्वी यादव का आक्रामक रुख धार्मिक ध्रुवीकरण को हवा दे सकता है। BJP सांसद जगदंबिका पाल ने RJD पर तुष्टिकरण का आरोप लगाया, जबकि ओवैसी का कहना है कि वह सामाजिक एकता चाहते हैं। लेकिन बिहार में 18% मुस्लिम आबादी और 80% हिंदू आबादी के बीच बढ़ता तनाव सियासी रणनीतियों को जटिल बना रहा है। राजनीतिक-सामाजिक विश्लेषक चेतावनी दे रहे हैं कि ऐसी सियासत बिहार के सौहार्द को नुकसान पहुंचा सकती है और ऐसे में ओवैसी का महागठबंधन ऑफर लालू और तेजस्वी के लिए सियासी जाल है। इसे स्वीकारने से हिंदू वोटों का नुकसान और ठुकराने से सीमांचल में वोट बंटवारा हो सकता है, जबकि एआईएमआई अपनी छवि सुधारने और मुस्लिम वोटों को साधने की कोशिश में है। वहीं RJD की रणनीति MY समीकरण को बचाने की है।

गौरतलब है कि कि सीमांचल मुस्लिम बाहुल इलाकों में शामिल है। 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में एआईएमआई एम के 5 सीटों पर जीत मिली थी। हालांकि, 5 में से 4 एआईएमआई एम विधायक आरजेडी का दामन थाम चुके हैं। बेशक एआईएमआई एम के विधायक आरजेडी में शामिल हुए लेकिन आरजेडी को फायदे के बदले नुकसान हुआ। एआईएमआई एम द्वारा गोपालगंज और कुढ़नी विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में अपने प्रत्याशी खड़े किए गए थे और दोनों ही जगह आर जे डी यानि महागठबंधन के प्रत्याशियों की हार हुई। सियासी जानकारों के मुताबिक, महागठबंधन दलों का खेल अगर किसी ने बिगाड़ा तो सबसे ज्यादा एआईएमआई एम ने।

सीमांचल इलाकों में 70 फीसदी मुस्लिम आबादी है और एआईएमआई एम मुस्लिमों को ही अपना वोट मुख्य रूप से मानती है। सीमांचल में 24 विधानसभा सीटें और 4 लोकसभा सीटें हैं। ऐसे में ओवैसी को अच्छी तरह पता है कि उन्हें क्या करना है। ओवैसी ना सिर्फ महागठबंध का खेल बिगाड़ेंगे बल्कि भाजपा के लिए भी बेचैनी बढ़ाने का काम करेंगे। पहले भी सीमांचल में एआईएमआई एम को लाभ ही मिला था ऐसे में भाईजान यानि ओवैसी अपनी खोई हुई ताकत को फिर से सीमांचल में वापस पाना चाह रहे हैं।

ज्ञात रहे कि ओवैसी की पार्टी का जनाधार सीमांचल में अच्छा-खासा है। उन्हें अख्तरुल इमान नाम का एक ऐसा नेता सीमांचल में मिला है, जो शिक्षित और पार्टी के प्रति समर्पित भी है। पिछले लोकसभा चुनाव में ओवैसी को तीन लाख वोट मिले थे। जिसका प्रतिशत बेहतर था। वोट प्रतिशत से ओवैसी को उम्मीद जगी। ओवैसी की पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक अख्तरुल इमान केवल वफादार साबित हुए बाकी चार विधायक पाला बदलकर तेजस्वी के साथ आ गए थे। पाला बदलने वाले विधायकों में राजद के पूर्व सांसद मरहूम तस्लीमुद्दीन के बेटे शाहनवाज भी शामिल थे। बाद में आरजेडी ने 2024 के लोकसभा चुनाव में अररिया से शाहनवाज को उम्मीदवार भी बनाया। शाहनवाज को इस सीट पर बीजेपी के प्रदीप सिंह के सामने हार का सामना करना पड़ा। अब ओवैसी की पार्टी छोड़कर पाला बदलने वाले विधायकों के सामने विधानसभा चुनाव जीतने की चुनौती है। बिहार में ओवैसी की पार्टी का 5 साल पुराना इतिहास यह बताता है कि उनकी मजबूती ने तेजस्वी यादव की पार्टी को सीमांचल के इलाके में कमजोर किया था। जाहिर है अब अगर ओवैसी नए इलाकों में अपने उम्मीदवार देते हैं तो इसका सीधा नुकसान महागठबंधन को ही उठाना पड़ेगा। ओवैसी की पार्टी AIMIM मुसलमानों की राजनीति पर फोकस करती है। उनकी पार्टी का सबसे बड़ा वोटर तबका भी मुस्लिम है। जाहिर है अगर बिहार में मुस्लिम वोट पाने में ओवैसी कामयाब रहते हैं तो इसका सीधा नुकसान आरजेडी और उसके गठबंधन को होगा। बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव भी इस बात को भली भांति जानते हैं और यही वजह है कि चुनावी माहौल में लगातार आरजेडी और उसके घटक दल यह बात दोहरा रहे हैं कि ओवैसी बीजेपी की बी टीम की तरह काम करते हैं।

आरजेडी का दावा है कि बिहार में ओवैसी अगर अपने उम्मीदवार उतार रहे हैं तो इसका सीधा मकसद मुस्लिम वोट बैंक में बिखराव पैदा करना है। अगर मुसलमानों का वोट बंटेगा तो इसका सीधा फायदा बीजेपी और एनडीए गठबंधन को होगा। महागठबंधन ने ओवैसी की पार्टी को बिहार में वोट कटवा बता डाला है, बावजूद इसके ओवैसी और उनकी पार्टी जिस तरह बीजेपी पर हमलावर नजर आते हैं।

ओवैसी बिहार में विधानसभा चुनाव के अंदर जिस तरह महागठबंधन के लिए परेशानियां पैदा करेंगे, उसके बाद यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या वाकई ओवैसी के आने से बिहार में एनडीए का काम आसान हो जाएगा? देखा जाए तो चुनाव में कौन सा मुद्दा कब सबसे ऊपर आ जाए इसकी भविष्यवाणी नहीं की जा सकती। वोटों में सेंधमारी के लिहाज से भले ही ओवैसी महागठबंधन के लिए सिरदर्द बने हों, लेकिन बिहार चुनाव में ओवैसी की एंट्री होने से कई ऐसे धार्मिक मुद्दे भी गर्म रहेंगे, जो बीजेपी और उसके सहयोगियों के लिए चुनौती पेश करेंगे। देश में नया वक्फ एक्ट लागू होने के बाद पहला चुनाव बिहार में ही होना है, ऐसे में ओवैसी बिहार चुनाव के दौरान इन सवालों को लेकर भाजपा और एनडीए की घेरबंदी खूब करेंगे। ओवैसी के निशाने पर सेक्युलर इमेज रखने वाले नीतीश कुमार भी होंगे।

काशी के पत्रकारों को कब मिलेगा उनका हक?

-सुरेश गांधी

काशी, जहां से पूरे विश्व तक साहित्य, संस्कृति और आध्यात्मिकता का संदेश जाता है, आज भी पत्रकारों की बुनियादी जरूरत आवास, पेंशन और स्वास्थ्य सुरक्षाकृपूरी नहीं हो पा रही। दूसरी ओर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा गोरखपुर में पत्रकारों के लिए शुरू की गई कल्याणकारी योजनाओं को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं: काशी के पत्रकारों को उनका हक क्या कभी मिल पाएगा? जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने गृह जनपद गोरखपुर में पत्रकारों के लिए आवासीय योजना का शुभारंभ कर स्पष्ट संदेश दिया था कि पत्रकारों के लिए सरकार गंभीर है। कोरोना काल में दिवंगत हुए पत्रकारों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये की सहायता भी दी गई। यह कदम सराहनीय था। लेकिन वही योजना वाराणसी जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक केंद्र में क्यों नहीं लाई जा रही? जब गोरखपुर मॉडल सफल हो रहा है, तो काशी के पत्रकारों को इस योजना से क्यों वंचित रखा जा रहा है? यह अपने आप में एक बड़ा सवाल है। हालांकि यह कोई पहली बार नहीं है जब पत्रकार आवास की मांग कर रहे हैं। पूर्ववर्ती सरकारों में लखनऊ, गोरखपुर, प्रयागराज सहित कई जनपदों में पत्रकारों को आवास उपलब्ध कराए गए। अगर उन योजनाओं में कुछ गड़बड़ियां हुईं, तो जांच होनी चाहिए थी, उन्होंने किन परिस्थितियों में ऐसा किया, न कि पूरी पीढ़ी को दंडित किया जाना चाहिए। क्या यह तर्क संगत है कि कुछ लोगों की गलतियों का बोझ नई पीढ़ी के पत्रकारों पर डाला जाए? जैसे भ्रष्टाचार के कारण विकास योजनाएं बंद नहीं की जातीं, वैसे ही अतीत की त्रुटियों के कारण वर्तमान पत्रकारों से आवास जैसी बुनियादी सुविधा छीनना भी एक किस्म का अन्याय है।

हाल ही में लखनऊ में पत्रकारों के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर छह महत्वपूर्ण मांगें रखीं, जिसमें 1. आवास योजनाः राज्य व जिला स्तर पर पत्रकारों को सस्ती दरों पर मकान या फ्लैट उपलब्ध कराए जाएं। 2. पेंशन योजनाः 60 वर्ष से अधिक उम्र के पत्रकारों को मासिक पेंशन सुनिश्चित की जाए। 3. स्वास्थ्य सुविधाः एसजीपीजीआई में इलाज के लिए विशेष फंड बनाया जाए और आयुष्मान योजना पुनः लागू की जाए। 4. मुआवजाः आकस्मिक मृत्यु पर ?20 लाख की राहत राशि पुनः बहाल की जाए। 5. स्थायी समितिः जिला स्तर पर पत्रकार-प्रशासन समन्वय समिति बनाई जाए। 6. विशेष नोडल अधिकारीः स्वास्थ्य बीमा और इलाज के मामलों की देखरेख के लिए अलग अधिकारी नामित किए जाएं। राजस्थान, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र जैसे राज्यों में पत्रकार सुरक्षा अधिनियम लागू हो चुका है। कई राज्यों में पत्रकारों को पेंशन, बीमा और विशेष मेडिकल सुविधाएं मिल रही हैं। उत्तर प्रदेश में यह कदम अपेक्षाकृत धीमे हैं, जबकि यहां पत्रकार हर दिन जान जोखिम में डालकर रिपोर्टिंग करते हैं, खासकर काशी जैसे संवेदनशील धार्मिक शहर में, जहां के सांसद खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी है। केंद्र सरकार के भी कई विभागों में पत्रकारों के लिए आयुष्मान योजना जैसी स्वास्थ्य सुविधाएं चल रही हैं, पर उत्तर प्रदेश में पत्रकारों के आयुष्मान कार्ड निलंबित होने की शिकायतें लगातार आ रही हैं। पत्रकारों के लिए एसजीपीजीआई जैसी संस्थानों में इलाज के लिए विशेष फंड की मांग लखनऊ में जोरशोर से उठी। पत्रकारों का कहना है कि जब प्रशासनिक अधिकारी और जनप्रतिनिधि विशेष चिकित्सा सुविधा पा सकते हैं, तो पत्रकार क्यों नहीं?

हालांकि मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी ने इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार का भरोसा दिया है। मुख्यमंत्री ने भी पेंशन योजना और चिकित्सा सुरक्षा पर सकारात्मक रुख दिखाया है, लेकिन जमीनी अमल अब भी बाकी है। काशी के पत्रकार संगठनों ने स्थानीय स्तर पर बैठक कर जल्द ही मुख्यमंत्री को एक अलग ज्ञापन देने और सीधी मुलाकात की तैयारी कर ली है। सवाल यह नहीं है कि सुविधा कब मिलेगी, सवाल यह है कि जिन लोगों ने दशकों इस पेशे को ईमानदारी से निभाया, उन्हें कब तक अनदेखा किया जाएगा? पत्रकारों के प्रति सरकार का सकारात्मक रवैया केवल बयानों तक सीमित न रहे, यह वक्त की मांग है। पत्रकार आवास, पेंशन और स्वास्थ्य सुविधाएं कोई अनावश्यक मांग नहीं हैं। यह उनके हक की लड़ाई है, जो पूरी तरह से न्यायसंगत है। पूर्व की गलतियों का हवाला देकर नई पीढ़ी को सुविधाओं से वंचित करना उसी तरह है जैसे एक बगीचे को इसलिए न सींचना क्योंकि किसी समय किसी ने गलत बीज बो दिया था। अगर उत्तर प्रदेश सरकार ने गोरखपुर में पत्रकारों के लिए आवास दिया है, तो काशी क्यों वंचित रहे? जब अन्य राज्यों ने पत्रकार सुरक्षा अधिनियम लागू किया है, तो उत्तर प्रदेश में अब तक क्यों नहीं? काशी के पत्रकारों को अब वादों से नहीं, ठोस निर्णय की जरूरत है। यह हक की मांग है, जिसे नजरअंदाज करना लोकतंत्र के चैथे स्तंभ को कमजोर करने जैसा होगा लखनऊ में 36 से अधिक सरकारी फ्लैट्स आवंटित करने की मांग की गई थी, जिसे मुख्यमंत्री ने शीघ्र कार्यान्वयन का आश्वासन दिया। स्थानीय संगठन भी इस दिशा में सक्रिय हो गए हैं। उत्तर प्रदेश में 2024 में 60 वर्ष से ऊपर के पत्रकारों के लिए पेंशन स्कीम की शुरूआत हुई। मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी ने स्पष्ट कहाः पत्रकारों के पेंशन और आवास की समस्या का समाधान किया जाएगाह्व। मध्य प्रदेश, राजस्थान सहित कई राज्यों में पत्रकार को 3 से 5 हजार मासिक मिल रही है. यूपी में यह राशि अभी अस्पष्ट है, पर जल्द घोषणा की उम्मीद जताई जा रही है। काशी में भी वरिष्ठ पत्रकार आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं, और उनकी मांग है कि यह पेंशन जल्द लागू हो। पत्रकारों की एक और मांग है, एसजीपीजीआई में इलाज के लिए फंड 25 लाख से बढ़ाकर 50 लाख किया जाए। जब सरकार दावा करती है मानव सेवा का, तो पत्रकारों का जीवन-उपयोगिता का मानक जोड़ा जाना अनिवार्य है। पत्रकारों की आकस्मिक मृत्यु या दुर्घटना पर 20लाख की राहत राशि बहाल करने की मांग दोहराई गई। कार्यकर्ता यह भी कह रहे हैं कि सिर्फ कल्याण योजनाएं नहीं, बल्कि पत्रकारों के मूल संरक्षण के लिए सुरक्षा कानून लागू होना चाहिए। हो जो भी काशी के पत्रकारों की मांग सिर्फ सुविधाओं की नहीं है, यह सम्मान की लड़ाई है। जब गोरखपुर और अन्य राज्यों में मॉडल साकार हो रहे हैं, तब यहां देर क्यों? अब वक्त है, केवल आश्वासनों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। सरकार को पात्र आवासीय समयसीमा तय करे, पेंशन राशि स्पष्ट करे, स्वास्थ्य कवर को व्यापक बनाए, सुरक्षा कानून लागू करे, और पत्रकारों को वास्तविक, जमीन पर साबित इज्जत दे।

पत्रकार, लोकतंत्र के उस चैथे स्तंभ का हिस्सा हैं, जो बिना किसी हथियार के हर दिन सच्चाई की लड़ाई लड़ते हैं। लेकिन विडंबना देखिए, काशी जैसे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक नगरी में जहां से विश्व को सत्य, संस्कृति और परंपरा का संदेश जाता है, वहीं के पत्रकार आज भी अपने बुनियादी हक आवास, पेंशन और सामाजिक सुरक्षा के लिए जूझ रहे हैं। खासतौर से यह सब तब जब खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उनके सांसद है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ काशी के हर तबके के उत्थान के लिए संकल्पित है। यह सवाल केवल सुविधा का नहीं, बल्कि एक पूरे पेशे की गरिमा और सुरक्षा से जुड़ा है। जब गोरखपुर में पत्रकारों को मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ दिया गया, तो काशी के पत्रकार क्यों अब तक प्रतीक्षा कर रहे हैं?

प्रकृति के प्रकोप से बचने के लिए आइये हम पेड़ लगाये

-विक्रम दयाल

सभी जीव जंतुओं की प्रकृति पालनहार है। प्रकृति हमारे जीवन के लिए अति आवश्यक है। प्रकृति हमारे जीवन के लिए सभी प्रकार के साधन प्रदान करती है। जैसे कि हवा, पानी, भोजन,प्रकाश और आश्रय। ये सभी प्रकृति के अनमोल देन हैं। खजाने हैं। लेकिन कभी कभी यही प्रकृति अपना रौद्र रूप दिखाती है। जिसे हम प्रकृति का प्रकोप कहते हैं। जैसे कि बाढ़, सूखा, भूकंप चक्रवात इत्यादि से हमें बर्बाद करती है। इसलिए प्रकृति मनुष्य की सबसे घनिष्ठ मित्र है। क्योंकि प्रकृति न केवल हमें पर्वत, और सागर के सुंदर नजारे देती है बल्कि मनुष्य और बाकी जीव जंतु भी प्रकृति से प्राप्त संसाधनों का भरपूर प्रयोग करते हैं। प्रकृति के कारण ही हम स्वस्थ और सकारात्मक जीवन व्यतीत करते हैं। मनुष्य के जीवन को शांत रखने में प्रकृति का बहुत बड़ा हाथ होता है। मनुष्य की हर बढ़ती आवश्यकताओं को प्रकृति ही पूरा करती है। मनुष्य की बढ़ती आवश्यकतायें प्रकृति के संतुलन को बिगाड़ भी रही हैं। जब पर्यावरण में दूषित तत्वों की मात्रा आवश्यकता से अधिक बढ़ जाती हैं और आवश्यक तत्वों की कमी हो जाती हैं तो पर्यावरण प्राणियों के लिए हानिकारक बन जाता है। जहाँ प्रकृति इंसानों के लिए पालनहार कहलाती है, वहीं आज इंसान ही सबसे बड़ा दुश्मन इस समय प्रकृति का है।

पहले के ग्रामीण इंसान घर के आसपास खाली पड़ी जमीनों पर आम, नीम, अमरूद, कटहल, बड़हल, बरगद, पीपल, सहजन,

इत्यादि पेड़ों को लगाते रहते थे, जिनसे पर्यावरण पर कोई विपरित असर नही पड़ता था। उन्हें सांस लेने के लिए स्वच्छ हवा पानी समय समय पर मिलता रहता था, और तो और वे लोग कम विमार भी पड़ते थे, और स्वास्थ्य हमेशा बना रहता था। लेकिन आज के इंसान पेड़ तो लगाते ही नही हैं, और जो भी पेड़ घर के आसपास लगे हुए हैं या खड़े हैं उन्हें काटते जारहें हैं। इतना ही नही बड़े बड़े बाग-बगीचे हजारों पेड़ों से सुसज्जित बागानों को अपने फायदे के लिए कटवा दिये और उसकी जगह एक भी नये पेड़ नही लगा रहें हैं। जहाँ बगीचे थे अब वह वीरान? तपते हुए खेत नजर आरहें हैं। अब वहाँ बड़ी बड़ी गगनचुंबी इमारतें खड़ी हैं। जिसका असर पर्यावरण पर इस समय बहुत काफी पड़ा है। मौसम के बदलाव से अब, अधिक से अधिक गर्मी, वर्षा, और ठंड से लोग परेशान हो रहें हैं। क्योंकि बाग बगीचे और जंगल की सफाई ने वातावरण को बदलकर रख दिया है। प्रकृति के प्रकोप से प्राकृतिक आपदायें जो मानव जीवन और संपत्ति को नुकसान पहुँचाती हैं। इसमें भूकंप,बाढ़,सूखा,ज्वालामुखी विस्फोट,सुनामी तूफान, भूस्खलन और जंगली आग जैसी आपदायें शामिल हैं। प्राकृतिक आपदायेंः ये वो घटनाएँ हैं जो प्रकृति में होती हैं। और मानव जीवन, संपत्ति और पर्यावरण को नुकसान पहुँचती हैं। कारणः प्राकृतिक आपदाओं के कई कारण हो सकते हैं जैसे- कि भूकंप, ज्वालामुखी गतिविधियां। मौसम की चरम स्थितियाँ जैसे- तूफान और सूखा और भूगर्भीय प्रक्रियाएं भूस्खलन इत्यादि परिणामः प्राकृतिक आपदाओं के विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं। जिनमें जान माल का नुकसान, बुनियादी ढ़ाचे को नुकसान, विस्थापन और आर्थिक व्यवधान शामिल हैं। प्रतिक्रियाः प्राकृतिक आपदाओं के प्रति प्रतिक्रिया में बचाव, राहत और पुनर्वास शामिल हैं। ज्यादातर प्राकृतिक आपदायें तटीय क्षेत्रों में देखने को मिलती है। क्योंकि तटीय क्षेत्र सागर के करीब रहने के कारण सुनामी और तूफानी सागरीय लहरों से नुकसान लोगों को उठाना पड़ता है। इसलिए तटीय क्षेत्रों को खतरों से बचने के लिए काफी सतर्क रहना पड़ता है। प्रकृति के प्रकोप से बचने के लिए नये नये पेड़ और वृक्षों को लगाने की आज की जरूरत है। पृथ्वी पर जितने अधिक पेड़ पौधे रहेंगे उतना ही मानव जीवन सुखी और स्वस्थ रहेगा। आइये हम पेड़ लगायें, जीवन सुखी बनायें।

राकांपा सफाई कामगार सेल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ राजेंद्रराय शर्मा ने अन्न व औषधि मंत्री से की मुलाकात

मुंबई (उत्तरशक्ति)। वर्तमान में महाराष्ट्र सरकार का विधानसभा सत्र शुरू है। ऐसे में राज्य के कोने कोने से लोग अपनी समस्याओं को लेकर संबंधित विभागों के मंत्री और अधिकारियों से संपर्क कर रहे हैं। इसी कड़ी में राष्ट्रवादी कांग्रेस सफाई कामगार सेल (अजीत पवार) गुट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ राजेंद्रराय शर्मा ने पूर्व विधानसभा अध्यक्ष और मौजूदा समय में अन्न और औषधि मंत्री नरहरी झिरवाल से भेंट की। शर्मा ने अन्न व औषधि से संबंधित कुछ मुद्दों पर मंत्री झिरवाल से चर्चा की। इस दौरान मंत्री का जन्मदिन होने के अवसर पर डॉ शर्मा की ओर से उन्हें शतायु होने की शुभकामनाएं दी गई।

राहुल एजुकेशन ने किया वरिष्ठ पत्रकार अनिल तिवारी का सम्मान

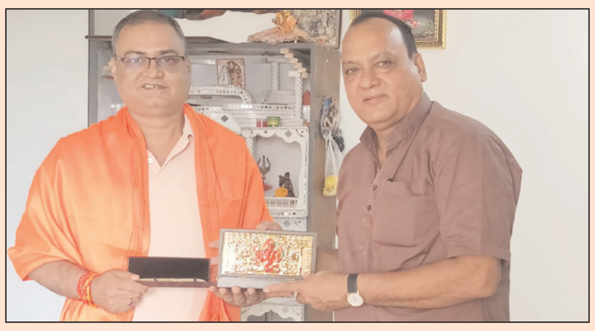

भायंदर (उत्तरशक्ति)। देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान राहुल एजुकेशन की तरफ से वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे ने आज दोपहर का सामना के कार्यकारी संपादक तथा वरिष्ठ पत्रकार अनिल तिवारी का शॉल और स्मृतिचिन्ह से सम्मान किया। अपने छात्र जीवन से ही पत्रकारिता की शुरूआत करने वाले अनिल तिवारी 1993 से दोपहर का सामना से जुड़े हुए हैं। वे अपनी निर्भीक और अडिग पत्रकारिता के लिए जाने जाते हैं। उनके द्वारा लिखे जाने वाले सामयिक लेख पाठकों द्वारा काफी पसंद किए जाते हैं।

अविनाश जाधव की गिरफ्तारी के विरोध में भिवंडी में मनसे कार्यकर्ता ने आत्मदाह का किया प्रयास

आचार्य सूरजपाल यादव/भिवंडी (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर में परप्रांती व्यापारी की पिटाई के बाद परप्रांती व्यापारियों द्वारा निकाले गए मोर्चे के विरोध में मंगलवार को मीरा भायंदर में मराठी भाषियों द्वारा एक विशाल मोर्चा निकालने की तैयारी थी । पुलिस ने इस मोर्चे पर रोक लगा दिया और मनसे नेता अविनाश जाधव को सुबह करीब 3 बजे हिरासत में ले लिया । जिसके बाद महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना और शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और मराठी भाषी बड़ी संख्या में इस मोर्चा को निकालने के अपने रुख पर अड़े रहे । उक्त संदर्भ में भिवंडी मनसे विभाग प्रमुख सुशील आवटे ने मनसे नेता अविनाश जाधव की तत्काल रिहाई और मराठी लोगों के खिलाफ अन्याय को रोकने की मांग को लेकर छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर खुद पर केरोसिन डालकर आत्मदाह का प्रयास किया । स्थानीय निजामपुरा पुलिस ने सावधानी बरतते हुए सुशील आवटे को हिरासत में लिया और आने वाली मुसीबत को टाला । वहीं सुशील आवटे ने जोरदार नारे लगाए ।

एमजी ग्रुप ने सुपर-प्रीमियम कोच टीआईजीआरए लॉन्च किया

मुंबई(उत्तरशक्ति)। भारत की प्रमुख निजी बस और कोच निमार्ता कंपनी एमजी ग्रुप ने आज एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। कंपनी ने अपनी नई कॉपोर्रेट पहचान के साथ-साथ टीआईजीआरए नाम से एक क्रांतिकारी सुपर-प्रीमियम इंटरसिटी कोच रेंज लॉन्च की। यह कोच पूरी तरह से कंपनी ने खुद डिजाइन और तैयार किए हैं, जो बेलगावी स्थित एमजी ग्रुप की अत्याधुनिक फैक्ट्री में बने हैं। टीआईजीआरए कोच में आराम और सुरक्षा का खास ध्यान रखा गया है और यह भारत और विदेशों दोनों के लिए 13.5 मीटर कोच चेसिस पर उपलब्ध होगा।इस खास पेशकश को बेंगलुरु के पैलेस ग्राउंड्स स्थित रॉयल सीनेट में हुए एमजी ग्रुप के रीःबॉर्न इवेंट में लॉन्च किया गया। इस मौके पर एमजी ग्रुप के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर अनिल मोहन कामत, प्रेसिडेंट स्ट्रैटेजी एंड सेल्स शिवकुमार वी., और चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर गिरीश प्रभु उपस्थित थे। इनके साथ ऑटोमोबाइल और मोबिलिटी सेक्टर से जुड़े ग्राहक, सप्लायर और तकनीकी साझेदार भी शामिल हुए।नए उत्पाद के लॉन्च के अवसर पर शिवकुमार वी. ने कहा, बस और कोच बॉडी बिल्डिंग का काम एक दिन में नहीं होता। यह मजबूत रिश्तों, लगातार अच्छी गुणवत्ता और समय के साथ बदलती ट्रांसपोर्ट जरूरतों के हिसाब से खुद को ढालने की क्षमता पर टिका होता है। एमजी ग्रुप सिर्फ इंजीनियरिंग का नहीं, बल्कि भरोसे और मूल्य का भी प्रतीक है। हमें पूरा विश्वास है कि टीआईजीआरए पहले दिन से ही अपने सेगमेंट का लीडर बन जाएगा।एमजी ग्रुप ने अपनी नई कॉपोर्रेट पहचान पेश करते हुए प्रीमियम कोच सेगमेंट में अपनी दस साल की यात्रा को एक नई दिशा दी है। कंपनी का नया लोगो, जिसमें 'एम' से 'जी' तक का प्रवाह बिना रुके दिखता है, एक आसान और सुगम यात्रा का प्रतीक है—जो ग्राहकों को आइडिया से लेकर बाजार और उससे भी आगे तक ले जाता है।

पालघर जिले के 2120 स्कूलों में चलाया जायेगा निपुण पालघर गुणवत्ता विकास अभियान

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के स्कूलों में पढ़ाई की गुणवत्ता बढ़ाने के उद्देश्य से झ्निपुण पालघर झ गुणवत्ता विकास अभियानझ शुरू किया जा रहा है। यह अभियान 15 जुलाई से 30 अक्टूबर 2025 तक जिले के 2120 मराठी माध्यम स्कूलों में चलाया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य कक्षा 2 से 8 तक के विद्यार्थियों को बुनियादी साक्षरता और संख्याज्ञान (एफएलएन) दिलाना है।

इस अभियान को लेकर मंगलवार 8 जुलाई को जिला परिषद पालघर के सभागृह में पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। इसमें जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, प्राथमिक शिक्षणाधिकारी सोनाली मातेकर, शिक्षणाधिकारी योजना शेषराव बडे, डाएट प्राचार्य डॉ. संभाजी भोजने और जिला समन्वयक तानाजी डावरे मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान का लक्ष्य 100% बच्चों को अध्ययन क्षमता से दक्ष बनाना है, लेकिन फिलहाल कम से कम 75% विद्यार्थियों को उनकी कक्षा के अनुसार जरूरी दक्षता दिलाना तय किया गया है। इसके तहत स्कूलों में नामांकन बढ़ाना, बच्चों की पढ़ाई का आकलन करना, स्कूलों का भौतिक और शैक्षणिक विकास करना और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत जरूरी सुधार करना प्रमुख उद्देश्य हैं। इस अभियान को दो चरणों में क्रियान्वयन किया जायेगा। पहला चरण 15 जुलाई से 30 जुलाई 2025 तक चलेगा। इसमें सभी शिक्षक भाषण, वाचन, लेखन और गणना जैसे चार मूल घटकों के आधार पर विद्यार्थियों का मूल्यांकन

इस अभियान से पढ़ाई के स्तर को मिलेगी मजबूती

करेंगे। इस दौरान जिला और तहसील स्तर के कुल 281 अधिकारी और कर्मचारी प्रतिदिन दो स्कूलों का निरीक्षण करेंगे। केवल चार दिनों में जिले के सभी 2120 स्कूलों का दौरा किया जायेगा। बेहतर प्रदर्शन करने वाले स्कूलों को तुरंत प्रशस्ति पत्र मिलेगा, जबकि कमजोर स्कूलों को एक महीने का समय सुधार के लिए दिया जायेगा। यदि फिर भी प्रगति नहीं हुई तो संबंधित शिक्षकों का एक दिन का वेतन मुख्यमंत्री सहायता निधि में जमा किया जायेगा। दूसरा चरण 1 अगस्त से 15 सितंबर 2025 तक चलेगा। इस दौरान 45 दिन की विशेष क्रियान्वयन पुस्तिका के जरिए बच्चों को उनकी अध्ययन क्षमता और दक्षता विकसित कराई जायेगी।

इसमें स्कूल समय के भीतर ही शिक्षकों को विशेष गतिविधियों के जरिए बच्चों को पढ़ाना होगा। इस पूरी प्रक्रिया में विनोबा ऐप का इस्तेमाल होगा, जिससे बच्चों के टेस्ट, अंक और प्रगति की जानकारी ऑनलाइन दर्ज होगी। इससे स्कूल, केंद्र और तहसील स्तर पर विश्लेषण आसान होगा और कमजोर स्कूलों पर फोकस किया जायेगा। अभियान में मराठी, गणित और अंग्रेजी विषयों को मजेदार और सरल तरीके से पढ़ाया जाएगा। पुस्तिका में क्यूआर कोड और यूट्यूब लिंक भी दिए गए हैं, जिनसे विद्यार्थी अतिरिक्त अध्ययन सामग्री का उपयोग कर सकेंगे। इस अभियान के तहत जिले के अधिकारियों का प्रशिक्षण 5 जुलाई को हो चुका है। अब 10 और 11 जुलाई को तहसील स्तर पर सभी स्कूलों के प्रधानाध्यापकों का प्रशिक्षण होगा। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे के नेतृत्व में यह अभियान जिला स्तर पर प्राथमिक शिक्षणाधिकारी सोनाली मातेकर के मार्गदर्शन में तथा डाएट प्राचार्य डॉ. संभाजी भोजने व जिला समन्वयक डाएट तानाजी डावरे के माध्यम से संचालित किया जायेगा।

पूर्व नगरसेवक प्रकाश देवजी मोरे ने 10वीं और 12वीं में उत्तीर्ण मेधावी छात्रों को किया सम्मानित

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी चांदिवली विधानसभा वार्ड क्रमांक 159 में मुंबई भाजपा अध्यक्ष, कैबिनेट मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार और मुंबई महासचिव, विधायक संजय उपाध्याय के मार्गदर्शन में चांदिवली विधानसभा संयोजक पूर्व नगरसेवक प्रकाश देवजी मोरे की ओर से कक्षा 10वीं और 12वीं में उत्तीर्ण मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान समारोह आयोजित किया । इस सम्मान समारोह में इलाके के 1,000 विद्यार्थियों को नोटबुक और उपहार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पूर्व नगरसेवक प्रकाश देवजी मोरे के साथ चांदिवली विधानसभा के पूर्व उपाध्यक्ष सर्वेश सिंह, पूर्व वार्ड अध्यक्ष परशुराम शिंदे, वार्ड अध्यक्ष तानाजी कवर, गुजराती प्रकोष्ठ वार्ड अध्यक्ष राकेश उपाध्याय और कुनबी समाज रहवासी संघ के रविंद्र आर. खारडे (अध्यक्ष), स्वप्निल बी. हेमन (सचिव), विश्वनाथ तु. बसवंकर (कोषाध्यक्ष), पांडुरंग एस. म्हस्कर (अध्यक्ष), रघुनाथ धोन पाडावे (उप कार्याध्यक्ष) आदि उपस्थित थे।

गायत्री-एआई ने भारत का पहला एआई-सक्षम क्वांटम वेलनेस सेंटर लॉन्च किया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। गायत्री-एआई ने मुंबई में सितारों से सजी मुंबई. भारत के वेलनेस सेक्टर के लिए एक ऐतिहासिक क्षण रहा. इसके तहात गायत्री-एआई ने 7 जुलाई को अंधेरी में आधिकारिक तौर पर अपने भविष्य के एआई-सक्षम क्वांटम वेलनेस सेंटर को लॉन्च किया. इस अवसर पर समारोह के मुख्य अतिथि के. आनंद वेंकट राव (क्वालिमाइंड्स कॉर्प सर्विसेज लिमिटेड के सीईओ व एमडी एवं फार्मा उद्योग के एक बेहद सफल पेशेवर) तथा बॉलीवुड से कुछ मशहूर हस्तियों सहित कई नामचीन मेहमान मौजूद थे. इस कार्यक्रम ने भारत में गैर-आक्रामक, एआई-आधारित समग्र उपचार चिकित्सा के एक नए युग की शुरूआत की.नवनिर्मित केंद्र में अत्याधुनिक तकनीकें हैं, जैसे-एनएलएस बायोरेसोनेंस 4डी डायग्नोस्टिक और दवाएं मुक्त स्वास्थ्य पुनर्वास उपकरण मेटाट्रॉन मेटापैथिया, मेटाट्रॉन जेड 100 प्लाज्माहील एक्स4, नारिया चेयर (टेस्लाटेक से भी बेहतर), स्केलर 360 क्यूआई कॉइलटीएम, जेड-100 क्वांटम बायो-स्टिमुलेटर और उन्नत हाइड्रो-कोलन थेरेपी सिस्टम हैं. इन्हें कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा संचालित चिकित्सीय कल्याण प्रोटोकॉल में एकीकृत किया गया है, जो व्यक्तिगत और भविष्य बताने वाला देखभाल प्रदान करता है.अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक धर्मप्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि गायत्री-एआई में हम प्रत्येक व्यक्ति को अपनी कल्याण यात्रा की जिम्मेदारी लेने के लिए सशक्त बनाने में विश्वास करते हैं, यह केंद्र उसी उद्देश्य की पूर्ति करता है. गायत्री-एआई की संस्थापक श्रीमती शोभना डीपी त्रिपाठी ने कहा कि स्वास्थ्य का मतलब सिर्फ बीमारी का न होना नहीं है, बल्कि संतुलन, जीवन शक्ति और उद्देश्य होना भी है. हमारा पारिस्थितिकी तंत्र उस यात्रा को सार्थक रूप से समर्थन देने के लिए प्रौद्योगिकी, अंतर्ज्ञान और करुणा को जोड़ता है.मुख्य अतिथि श्री आनंद वेंकट राव, क्वालिमाइंड्स कॉर्प सर्विसेज के एमडी और सीईओ लॉन्चिंग के शुभ अवसर पर शामिल हुए. वह डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज के पूर्व उपाध्यक्ष, ल्यूपिन के पूर्व अध्यक्ष, ग्लेनमार्क के पूर्व अध्यक्ष, कैडिला (जाइडिस) के पूर्व उपाध्यक्ष और वैश्विक प्रमुख तथा निकोलस पीरामल के पूर्व उपाध्यक्ष भी रह चुके हैं. उद्घाटन अवसर पर उन्होंने कहा कि गायत्री-एआई इस बात का एक शानदार उदाहरण है कि कैसे पारंपरिक स्वास्थ्य मूल्यों को भविष्य की प्रौद्योगिकियों के जरिए सशक्त बनाया जा सकता है. यह केंद्र पूरे भारत में स्वास्थ्य सशक्तिकरण के आंदोलन को प्रेरित करेगा.लॉन्चिंग समारोह में ईशा कोपिकर और निहारिका रायजादा जैसी मशहूर हस्तियों की शानदार उपस्थिति ने इस अग्रणी कल्याण पहल में चार चांद लगा दिया. इस दौरान मेहमानों को एनएलएस बाएयो-रेजोनेंस, क्यूई कॉइलट्ठ, स्केलर थेरेपी, प्लाज्माहील 4, एचएचओ इनहेलेशन और हाइड्रो-कोलन ट्रीटमेंट जैसी विशेष उपचार विधियों का लाइव प्रदर्शन दिखाया गया, इसके बाद सुविधा का निर्देशित वॉकथ्रू और संस्थापकों, चिकित्सा सलाहकारों और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों के साथ दिलचस्प बातचीत की गई.

इंटरनेशनल ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार, 2.12 करोड़ का एमडी ड्रग्स जब्त

डोंबिवली (उत्तरशक्ति)। डोंबिवली के निलजे गांव से मानपाड़ा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स तस्कर को 2 करोड़ 12 लाख रुपये मूल्य के मेफेड्रोन (एमडी) पावडर के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संदीप शिंदे के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने जाल बिछाकर विदेशी नागरिक ईसा बकायोका (37) को गिरफ्तार किया। यह व्यक्ति पिछले कई दिनों से निलजे गांव में छिपकर नशीले पदार्थों की तस्करी कर रहा था। पुलिस ने उसके पास से 1.51 किलोग्राम एमडी ड्रग्स जब्त किया।

कल्याण परिमंडल के डीसीपी अतुल झेंडे ने बताया कि इससे पहले 27 जून को भी मानपाड़ा पुलिस ने सवा दो करोड़ रुपये का एमडी जब्त किया था।

इस कार्रवाई में एसीपी सुहास हेमाडे के मार्गदर्शन में वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संदीप शिंदे,राम चोपड़े और उनकी टीम ने अहम भूमिका निभाई। परिमंडल तीन में लगातार कार्रवाई से ड्रग्स माफियाओं में हड़कंप मचा हुवा है । पुलिस विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी को नशे के कारोबार से जुड़ी जानकारी मिले तो तुरंत पुलिस को सूचित करें, ताकि समाज को इस जहर से बचाया जा सके।

डॉक्टर्स डे पर पीएस फाउंडेशन की ओर से डॉक्टरों को किया गया सम्मानित

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भगवान के दिये हुए जीवन की धरती पर अगर कोई इसकी रक्षा करता है तो मेरा मानना है दूसरा भगवान डॉक्टर्स है जिनके कारण हम आप यहां पर सुखमय जीवन ब्यतीत कर रहे है । उक्त संबोधन पूर्व पुलिस एनकाउंटर स्पेसलिस्ट प्रदीप शर्मा डॉक्टर्स डे पर आयोजित अंधेरी पूर्व के जे बी नगर के गोयनका हाल में दे रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन पीएस फाउंडेशन की अध्यक्षा स्वीकृति प्रदीप शर्मा किया गया था। 75000 से अधिक लोगों ने लिया मुफ्त उपचार का लाभ। फाउंडेशन के संस्थापक शर्मा ने उदारता का परिचय देते हुए कहा कि हमारे फाउंडेशन द्वारा 2 एम्बुलेंस पूरे समय अंधेरी पूर्व विधानसभा के लोगों की मदत के दवाई, डॉक्टर व नर्स के साथ बिना भेदभाव सेवा में तत्पर रहते है और सेवा सदैव अनवरत चलती रहेगी। साथ ही साथ शिक्षा व साफ सफाई पर भी विशेष महत्व देते हुए ध्यान दिया जा रहा है।

फाउंडेशन के सहयोग से हुये कई ऑपरेशन। शर्मा ने जोर देते हुए कहा कि आज हमारे बीच में अनुभवी एवं काबिल डॉक्टर मौजूद हैं जिनके सहयोग से मैं निष्ठा पूर्वक गरीब व जरूरतमंद लोगों की मदत कर पा रहा हूँ। जिनमें कैंसर विशेषज्ञ डॉ आदित्य मानके द्वारा 6 ऑपरेशन कर उनकी जॉन बचाई गई। 108 के मुंबई प्रबंधन में विशेष भूमिका का निर्वाह कर रहे डॉ आशीष यादव का हमेशा सहयोग मिलता रहता है। एशिया में स्थान रखने वाली 7 हिल्स हॉस्पिटल के डॉक्टर संजय विश्वकर्मा का सहयोग काबिलेतारीफ है। पीएस फाउंडेशन के डॉ धरनी कुमार और महिला डॉक्टर मनीषा शेट्टी कार्यो की तारीफ करते हुए प्रदीप शर्मा ने कहा कि आप सब और फाउंडेशन की पूरी टीम का मैं आभारी हूँ कि जिनके कारण मैं लोगों के सहयोग में उतरकर संभव मुफ्त उपचार व अन्य समस्याओं का समाधान कर पाने में सफल हो पा रहा हूँ। और इसे मैं और हमारी धर्मपत्नी स्वीकृति शर्मा इसे दुनियां का सबसे बड़ा धर्म व पुण्य मानते है। कई जरूरतमनो को मुफ्त व्हीलचेयर भेंट स्वरूप प्रदान पीएस फाउंडेशन की तत्कालीन अध्यक्षा स्वीकृति प्रदीप शर्मा द्वारा गरीबों व कई असहायों को व्हीलचेयर उपहार स्वरूप प्रदान किया गया। जिसके कारण लाभार्थियों के आखों में जीवन की उम्मीदें और खुशी के आंसू देखे गए जिसके कारण पूरा माहौल ठहर सा गया था। शर्मा अपने संबोधन में कहा कि फाउंडेशन, हम वादे नही बचनपुर्ति में भरोसा करते है। और हमेशा होता रहेगा।और हमेशा पीएस फाउंडेशन के दरवाजे ईमानदार, निष्ठावान और जरूरतमंदों के हमेशा खुला रहेगा। अंत में शर्मा दाम्पत्य द्वारा सैकड़ो लोगों का सम्मान कर उनके अच्छे कार्यो के लिए उन्हें सम्मानित करते हुए सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। मंच का संचालन सुधीर कावा द्वारा किया गया।

आईटीबी इंडिया 2025 ने नई थीम 'अनुभव का व्यवसाय' लॉन्च किया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। आईटीबी इंडिया की ओर से आगमी 2 से 4 सितंबर 2025 तक मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में अपने चौथे संस्करण के लिए नई थीम अनुभव का व्यवसायः लक्षित विकास के लिए क्यूरेटेड यात्राऱ को लॉन्च किया गया। माइस शो इंडिया और ट्रैवल टेक इंडिया के साथ संयुक्त रूप से आयोजित यह कार्यक्रम भारतीय और दक्षिण एशियाई बाजारों के लिए अनुकूलित व्यक्तिगत, अनुभव-संचालित यात्रा के समाधानों पर प्रकाश डालने वाला एक शक्तिशाली बी2बी प्लेटफॉर्म प्रदान करेगा। इस आयोजन में 400 से अधिक प्रदर्शकों, 600 से अधिक योग्य खरीदारों और 8,000 से अधिक

उपस्थित लोगों के साथ, आईटीबी इंडिया 2025 वेलनेस एस्केप और सिनेमाई यात्राओं से लेकर आध्यात्मिक और सांस्कृतिक अन्वेषण तक विशिष्ट यात्रा का अनुभव प्रस्तुत किया जायेगा। इसमें शामिल होने वाले प्रमुख प्रतिभागियों में भारत, इटली, जापान, मलेशिया (सरवाक), केन्या और श्रीलंका जैसे देशों के पर्यटन बोर्ड, प्रमुख होटल, डीएमसी, एयरलाइंस और ट्रैवल टेक प्रदाता शामिल होंगे।

इस मौके पर मेसे बर्लिन एशिया पैसिफि क के कार्यकारी निदेशक डैरेन सीह ने कहा, भारत और दक्षिण एशिया के अनुभव की प्रथम यात्रा बाजारों के रूप में विकसित हो रहे हैं। आईटीबी इंडिया 2025 इस बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अत्याधुनिक और रणनीतिक साझेदारी के लिए उत्प्रेरक साबित होगा।आईटीबी इंडिया 2025 में कई बेहतरीन विशेषताओं पर प्रकाश डाला जाएगा, जिन्हें क्यूरेटेड यात्रा के रुप में अपने विषय को जीवंत बनाने के लिए खास तौर पर डिजाइन किया गया है।

द बॉडी शॉप ने लिमिटेड-एडिशन शिया रेंज लॉन्च की

मुंबई। इस सीजन, द बॉडी शॉप लेकर आया है अपनी नई और लिमिटेड-एडिशन (एलई) रेंज – जो खास, खुशबूदार और बेहद सीमित समय के लिए उपलब्ध हैं। इस बार ब्रैंड ने गोल्डनबेरी की ताजगी और सैफ्रॉन बॉडीकेयर कलेक्शन की गहराई भरी देखभाल का अनुभव पेश किया है। ये शानदार उत्पाद उन सभी के लिए हैं जो अपनी त्वचा से प्यार करते हैं और उसकी सही मायनों में देखभाल करना चाहते हैं।शिया एंड गोल्डनबेरी बॉडी बटरः द बॉडी शॉप का प्रतिष्ठित फॉमूर्ला अब एक नए ट्विस्ट के साथ – शिया एंड गोल्डनबेरी बॉडी बटर। यह 96 घंटे तक स्किन को नमी देता है और उसे मुलायम, कोमल और भीतर से पोषित करता है। इसकी ताजा, फलों जैसी सुगंध इसे खुद के लिए या किसी प्रियजन के लिए एक बेहतरीन तोहफा बनाती है। यह बॉडी बटर घाना के कम्युनिटी फेयर ट्रेड शिया बटर और ब्राजील के ऑर्गेनिक बबासु तेल से तैयार किया गया है। यह सिर्फ मॉइश्चराइजर नहीं, बल्कि एक गहरी स्किन केयर रिचुअल है। यह नॉन-स्टिकी, नॉन-ग्रीसी है और बहुत रूखी त्वचा के लिए एकदम उपयुक्त है – अब अपने शरीर से प्यार करना और भी अच्छा महसूस होगा।शिया एंड गोल्डनबेरी हैंड बामः यह नया हैंड बाम भी लिमिटेड-एडिशन रेंज का खास हिस्सा है। इसकी फ्रूटी और ताजा खुशबू इसे उन लोगों के लिए परफेक्ट बनाती है जिनके हाथ रूखे हैं और जिन्हें गहरी देखभाल की जरूरत है। 96 घंटे तक मॉइश्चर देने वाले इस प्रोडक्ट में भी घाना का फेयर ट्रेड शिया बटर और ब्राजील का बबासु ऑयल शामिल है, जो स्किन, नाखूनों और क्यूटिकल्स को पोषण देता है।शिया एंड सैफ्रॉन बॉडी बटरः द बॉडी शॉप के प्रतिष्ठित बॉडी बटर कलेक्शन में यह नया और लिमिटेड एडिशन प्रोडक्ट एक खास जुड़ाव है।

आचार्य सतविंदर के अनूठे संवाद सत्र का आयोजन

मुंबई। प्रसिद्ध ज्योतिषी और आध्यात्मिक मार्गदर्शक आचार्य सतविंदर द्वारा बुद्धि, नेतृत्व और प्रेरणा शीर्षक से एक विशेष इंटरैक्टिव टॉक शो 12 जुलाई, 2025 को शाम 5 बजे दुबई के दुसित थानी होटल में आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम दुबई स्थित डीआईबी इवेंट्स द्वारा आयोजित किया जा रहा है और इसमें राजनीतिक, सामाजिक और मीडिया क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियाँ शामिल होंगी।

इस कार्यक्रम में आचार्य सतविंदर आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण से ज्योतिष, जीवन पथ और नेतृत्व पर अपने विचार साझा करेंगे।

उनके अनुसार, ज्योतिष अंधविश्वास पर आधारित नहीं है, बल्कि खगोलीय गतिशीलता पर आधारित एक वैज्ञानिक विज्ञान है। इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले गणमान्य व्यक्तियों में डॉ. बू अब्दुल्ला, डॉ. उमर अल मरजुकी (दुबई पुलिस अधिकारी), श्री अहमद सालेह, श्री याकूब अल अली, प्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरु प्रदीप 'बाबा' मधोक, उद्यमी श्रेया श्री, पत्रकार सिमरनजोत सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता अमरप्रीत सिंह और गायिका सोनिया मजीद शामिल हैं।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

चौकियां कुण्ड की रेलिंग पार करना युवक को पड़ा महंगा, तालाब में डूबने से हुई मौत

खबर मिलते ही परिजनों को रो-रो कर हुआ बुरा हाल

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शीतला चौकियां धाम मंदिर के बगल में स्थित तालाब में मंगलवार की सुबह 6 बजे अपने दो दोस्तों के साथ घूमने आए युवक की तालाब में डूबने से मौत हो गई। बता दें कि सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के जमालपुर गांव के निवासी विजयी मौर्य के 20 वर्षीय पुत्र शिवम मौर्य अपने दो दोस्त राम सागर मौर्य, राजन मौर्य के साथ चौकियां धाम आए थे। चौकियां धाम पहुंचे दोनों दोस्त पानी की टंकी के समीप पहुंचे मृतक शिवम मौर्य नहाने के लिए मंदिर के बगल में स्थित तालाब में चला गया। वहीं दोनों दोस्त तालाब के ऊपर बैठे हुए थे। मृतक शिवम मौर्य सीढ़ियों पर कपड़ा उतारकर तालाब में प्रवेश किया और सुरक्षा रेलिंग को पारकर गहरे पानी चला गया। तैरने न आने के कारण पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई।तालाब में लगे सीसीटीवी कैमरे में युवक अकेले तालाब में उतरते देखा जा रहा है। दूर से उसके दोस्तों ने डूबते हुए युवक को बचाने के लिए स्थानीय लोगों से गुहार लगाई। स्थानीय युवकों ने डूबे युवक की तालाब में खोज की लेकिन असफल रहे। स्थानीय लोगों ने इस घटना की सूचना डायल 112, पुलिस फायर ब्रिगेड को दी। मौके पर पुलिस, फायरकर्मी पहुंचे। फायरब्रिगेड कर्मियों ने तालाब में रस्सी में लगे कटिया के सहारे मृतक शिवम मौर्य को बाहर निकाला। स्थानीय पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सूचना मिलने पर मृतक के परिजन तालाब पर पहुंच गए थे।

गोमती नदी में युवक का शव मिलने से सनसनी, परिवार में मचा कोहराम

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जफराबाद क्षेत्र के समोपुर कला गांव के पास गोमती नदी में मंगलवार को एक 24 वर्षीय युवक का शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।मिली जानकारी के अनुसार, बक्सा थाना क्षेत्र के अभयचंदपट्टी गांव निवासी गोविंदा (22 वर्ष) पुत्र विनोद कुमार और साहबलाल पुत्र भोलानाथ रविवार को शहर कोतवाली क्षेत्र स्थित सद्भावना पुल के पास गोमती नदी में नहाने गए थे। इसी दौरान दोनों युवक नदी में डूब गए थे।सोमवार को गोविंदा का शव शहर क्षेत्र में बरामद कर लिया गया था, जबकि साहबलाल की तलाश जारी थी। परिजन गोताखोरों की मदद से लगातार उसकी खोज कर रहे थे। मंगलवार को साहबलाल का शव समोपुर कला गांव के पास नदी में दिखाई दिया। शव मिलने की सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई की। युवक का शव मिलते ही परिजनों की आखिरी उम्मीद भी टूट गई और परिवार में कोहराम मच गया। ग्रामीणों की भारी भीड़ घटनास्थल पर जुट गई। पुलिस ने शांति व्यवस्था बनाए रखते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

केदारघाट पर गंगा स्नान के दौरान डूबा युवक, एनडीआरएफ की टीम शव की तलाश में जुटी

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। गंगा स्नान के दौरान मंगल वार को प्रातः केदार घाट पर एक युवक डूब गया। मौजूद लोगों ने उसे बचाने का प्रयास किया लेकिन वह गहरे पानी में चला गया।बताया जा रहा की डूबे युवक की पहचान वीरभद्र पाण्डेय उर्फ कल्लू पुत्र मोचू, उम्र लगभग 22 वर्ष, निवासी हरीनगर कॉलोनी, चंदवा, छित्तूपुर, थाना सिगरा, वाराणसी के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने तत्काल एनडीआरएफ की मदद से युवक की तलाश शुरू कर दी है गंगा में बहुत तेज है इस कारण उसकी तलाश करना काफी मुश्किल हो रहा है पिछले 4 घंटे से युवक की तलाश जारी है, लेकिन अभी तक उसका कोई पता नहीं चल पाया है, वही उसके परिजनों को पुलिस ने सूचना दे दी गई है।युवक के साथ मौजूद उसका दोस्त अनुराग पाण्डेय ने बताया कि दोनों गंगा स्नान के लिए सुबह केदारनाथ पहुंचे थे। अनुराग ने वीरभद्र को गहरे पानी में न जाने के लिए कहा था लेकिन वह नहाते नहाते काफी आगे चला गया और जब डूबने लगा तो अनुराग ने शोर मचाई, फिर वहां मौजूद नाविकों ने बचाने का प्रयास किया लेकिन वह डूब गया। मौके पर अस्सी चौकी प्रभारी पार्थ तिवारी मौजूद थे। उन्होंने बताया कि बनारस के सभी प्रमुख घाटों पर जल पुलिस के जवान तैनात किए गए है, लोगों को गहरे पानी में न जाने के लिए अपील की जाती है, लेकिन लोग मानते नहीं और गहरे पानी में स्नान करने लगते हैं, जिससे यह घटना हो गई। उन्होंने बताया कि युवक की तलाश जारी है, परिजनों को इसकी सूचना दे दी गई है।

दहेज के लिये विवाहिता को डंडे से पीटकर उसके दो छोटे- छोटे बच्चों सहित घर से बाहर निकाला

पति, सास और ससुर के विरूद्ध दहेज प्रताड़ना का मुकदमा दर्ज

रियाजुल हक, गौराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के मेहौड़े गांव की एक विवाहिता को ससुराल पक्ष के लोगों ने दहेज को लेकर मारपीट कर दो छोटे- छोटे बच्चों सहित घर से बाहर निकाल दिया। विवाहिता द्वारा तहरीर दिए जाने पर पुलिस ने दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज कर लिया है। बता दें कि गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के मेहौड़े गांव की विवाहिता बेबी गौतम ने रविवार को दोपहर में गौराबादशाह थाने पर तहरीर देकर आरोप लगाया है कि बीते शनिवार को सुबह लगभग आठ बजे मेरे पति मुकेश गौतम ने मेरे सास गायत्री देवी व ससुर श्याम प्यारेलाल के उकसाने पर मुझे गाली- गलौज देते हुए डंडे मार पीट कर दोनो बच्चों के साथ घर से बाहर निकाल दिया। पति के पिटाई से बेबी (26) के कान में और हाथ मे चोट आई। बेबी ने अगले दिन रविवार को अपनी मायकेवालों के साथ गौराबादशापुर थाने पर पहुंच कर नामजद तहरीर दी। थानाध्यक्ष गौराबादशाहपुर फूलचंद पाण्डेय ने बताया कि तहरीर के आधार बेबी के पति मुकेश गौतम, सास गायत्री और ससुर सूरज भान के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। विवाहिता के पति मुकेश को हिरासत में ले लिया गया है। आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पुराने पैसे की लेनदेन को लेकर दो पक्ष में हुई झड़प और हाथापाई, दो गिरफ्तार

गौराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)।गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के आरा गांव में पुराने पैसे की लेनदेन को लेकर दो पक्ष में झड़प और हाथापाई हो गया। जिसमें सूचना पर पहुची पुलिस ने दो को हिरासत में ले लिया।गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के आरा गांव में सोमवार को सुबह 11 बजे रवि कुमार और शाहगंज थाना क्षेत्र के भरोख निवासी प्रेम बहादुर में पुराने पैसे की लेनदेन को लेकर गांव में ही झड़प और हाथापाई होने लगा। विवाद बढ़ता देख घर की महिलाओं ने थाने पर कॉल कर के सूचना दे दिया। सूचना पर थाने के उप निरीक्षक विनोद शंकर फोर्स के साथ आ गए। पुलिस ने रवि कुमार निवासी आरा थाना गौराबादशाहपुर एवं प्रेम बहादुर निवासी भरोख थाना शाहगंज को गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष गौराबादशाहपुर फूलचंद पांडेय ने बताया कि दोनों युवकों को डांट फटकार लगाकर समझाकर शांति भंग में चालान कर दिया गया है।

खेतासराय में निकाला गया तीजे का जुलूस

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बारहवीं मोहर्रम को सुन्नी समुदाय के ताजियेदारों द्वारा कस्बे में तीजे का जुलूस निकाला गया। जुलूस जब इमामबाड़े के पास पहुँचा तो ताजियेदारों ने फातिहा पढ़ा। यह मोहर्रम के कार्यक्रमों की अंतिम कड़ी थी। मोहर्रम का शांतिपूर्ण समापन होने पर पुलिस प्रशासन ने राहत की सांस ली। शहीदी चौक पर सुबह दस बजे सभी ताजियेदार तबला बजाते हुए एकत्र हुए, जहाँ से जुलूस इमामबाड़े के लिए रवाना हुआ। ताजियेदार अलम के साथ तबला बजाते हुए चल रहे थे। जुलूस मुख्य मार्ग और चौराहे से होते हुए इमामबाड़ा पहुँचा। वहाँ फातिहा पढ़ने के बाद ताजियेदार पुरानी बाजार रोड के रास्ते अपनी-अपनी चौक की ओर लौट गए। जुलूस का संचालन कर रहे मोहम्मद असलम खान ने जिला प्रशासन, स्थानीय प्रशासन, मीडियाकर्मियों तथा नगर के दोनों समुदायों के प्रति आभार व्यक्त किया। जुलूस में नूर मोहम्मद खान, नफीस खान, आसिफ अली, जुबेर इरदासी, जाहिद अब्बासी, इलियास मोनू, शम्स तबरेज, परवेज अंसारी और राजू सहित अन्य ताजियेदार शामिल रहे। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक रामाश्रय राय के नेतृत्व में पुलिस बल मुस्तैद रहा।

घनश्याम डिस्पोजिबल सेंटर पर छापेमारी, तहखाने में मिला प्रतिबंधित प्लास्टिक

प्रवर्तन दल, नगर निगम वाराणसी मिली बड़ी सफलता

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में प्रभारी प्रवर्तन दल कर्नल संदीप शर्मा के नेतृत्व मे नगर निगम प्रवर्तन दल द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर लोहता स्थित मायापुरी कालोनी के घनश्याम डिस्पोजिबल सेंटर पर प्रतिबंधित प्लास्टिक के गोदाम जो कि आवासीय परिसर में स्थित था, उस पर छापा मारकर कार्यवाही किया गया। प्रवर्तन दल ने अपनी घेराबंदी में कोई कमी नहीं आने दी। 2 घंटे चली इस लुका छिपी के उपरांत मकान मालिक के आने के बाद अंदर से मेन गेट खोल कार्यवाही किया गया। अंदर बहोत सारे प्लास्टिक के अवैध समान प्राप्त हुआ, अचानक जब प्रवर्तन प्रभारी कर्नल संदीप शर्मा ने पूछा कि पलंग के नीचे कालीन क्यों है तो कोई उत्तर नहीं प्राप्त होने पर शक के आधार पर पलंग और कालीन को हटवाया गया। पलंग हटाते ही और उसके नीचे के कालीन को हटाते ही जमीन में दो छोटी रिंग्स दिखीं। रिंग को खींचते ही एक ट्रैप डोर खुल गया। यह डोर जमीन के साथ जमीन के ही रंग से मेल खाने के कारण मिल गया था। ट्रैप डोर खुलते ही बाकायदा सीढ़ियां दिखाई पड़ीं। इन सीढ़ियों से उतरते ही एक बड़ा सा तहखाना दिखाई दिया। सब कुछ एक तिलस्म की तरह लग रहा था।

तहखाने में प्रवेश करते ही भारी मात्रा में प्रतिबंधित प्लास्टिक एवं सिंगल यूस प्लास्टिक का भण्डार प्रवर्तन दल के हाथ लगा। प्रवर्तन दल के भूतपूर्व सैनिकों को बरबस अपने काश्मीर में तैनाती के दौरान किए गए आतंकरोधी अभियान स्मरण हो आए। ज्ञात हो कि सर्च ऑप्रेशन के दौरान काश्मीर में कई मकानों के अंदर भी तहखानों से ऐसे ही आपत्तिजनक सामग्रियां अक्सर मिलती थीं। जब्त प्लास्टिक का वजन लगभग 2 से 3 टन था।

प्लास्टिक मिलने पर नजदीक के थाना लोहता से पुलिस बल और मीडिया को अवगत करते हुए टीम द्वारा प्रतिबंधित प्लास्टिक जब्त किया गया और स्टोर मालिक से रू 30000/- प्लास्टिक जुमार्ना वसूला गया। पुलिस एवं मीडिया का सहयोग हेतु प्रवर्तन प्रभारी कर्नल संदीप शर्मा ने आभार प्रकट किया।

जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी ने फरियादियों में वितरण किया पौधा

वृहद पौधरोपण कार्यक्रम अन्तर्गत लोहिया पर्यावरणीय उद्यान पार्क में 200 पौधों का किया गया रोपण

प्रभारी मंत्री के आगमन के दृष्टिगत जिलाधिकारी ने किया स्थलीय निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में 09 जुलाई 2025 को "एक पेड़ माँ के नाम" विषयवस्तु पर आधारित वृक्षारोपण महाअभियान में जनपद में लगभग 5495000 पौधे रोपित किए जाने का लक्ष्य रखा गया है।जिसके क्रम में जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चन्द्र के द्वारा लोहिया पर्यावरण उद्यान पार्क जौनपुर में अमलतास, बाटलब्रश, गुलाचीन सहित अन्य पौधे लगाये गये। जिलाधिकारी ने पार्क में भ्रमण हेतु आने वाले सभी लोगो से "एक पेड़ माँ के नाम" अवश्य लगाने की अपील की। उन्होने कहा कि पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन के लिए पौधरोपड़ अति आवश्यक है। इसका उद्देश्य जिले में हरित आवरण को बढ़ाना और पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगो में जागरूकता उत्पन्न करना है। इन पौधों के रोपण से न केवल जिले की हरियाली बढ़ेगी, बल्कि जैव विविधता को भी बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने कहा कि हमारा भविष्य हमारे पर्यावरण पर निर्भर करता है। प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पौधा मां के नाम लगाकर उसके पोषण की जिम्मेदारी लेनी चाहिए जिससे हम आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ और हरा-भरा वातावरण दे सकें। उद्यान पार्क में मुख्य रूप से फल फूल एवं छायादार प्रजातियों के पौधे रोपे गए। जिनमें टिकोमा,बाटलब्रश, मौलश्री, अमलताश, गुलाचीन आदि पौधे शामिल थे। कार्यक्रम में जिला उद्यान अधिकारी एवं अन्य सभी स्टाफ,पर्यावरण प्रेमी भी उपस्थित थे, जिन्होंने इस पहल को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। इसी क्रम में जिलाधिकारी के द्वारा जनसुनवाई के दौरान फरियादियों में भी पौधों का वितरण किया गया। उन्होने जनपदवासियो से भी अपील की है कि सभी लोग 01 पेड़ अपने मां के नाम अवश्य लगाये क्योकि वृक्ष रहेगा तभी हमारा जीवन रहेगा। पौधरोपण कार्यक्रम अन्तर्गत जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में विकास खण्डों, विद्यालयों, ग्रामीण महिलाओं आदि द्वारा पर्यावरण से सम्बन्धित कार्यक्रम गीत आदि के माध्यम से आमजन में पर्यावरण तथा पौधरोपण के महत्व को लेकर जागरुकता उत्पन्न की गयी।

ऐतिहासिक श्री रामलीला समिति की चुनावी बैठक संपन्न

अध्यक्ष पद हेतु होना है चुनाव, बंद कमरे में वोटिंग प्रक्रिया का कड़ा विरोध

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। ऐतिहासिक श्री रामलीला समिति का पिछला सत्र समाप्त हो चुका है। वहीं आगामी नए सत्र को लेकर चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। अध्यक्ष पद के चुनाव के बाबत रविवार की देर शाम समिति की बैठक आहूत हुई। कुल नौ उम्मीदवारों ने नामांकन किया। सुशील सेठ बागी का नामांकन निरस्त कर दिया गया। चार ने निकटतम प्रत्याशी को समर्थन दिया। शेष चार के बीच आपसी सहमति न बन पाने से चुनाव सुनिश्चित किया गया। वहीं बंद कमरे में वोटिंग की प्रक्रिया के कडे विरोध पर परंपरागत रूप से चुनाव के प्राथमिकता और आम सहमति से निर्णय की घोषणा की गई।

शाहगंज रामलीला

उम्मीदवारों का नामांकन: बता दे कि नए सत्र 2025- 26 के कार्यकाल हेतु अध्यक्ष पद की चुनावी प्रक्रिया में संरक्षक मंडल के निर्देश पर विगत 29 जून से 1 जुलाई तक उम्मीदवारों से नामांकन मांगा गया था। जिसमें कुल 9 उम्मीदवारों ने अपना नामांकन कराया था।

उम्मीदवारों की काउंसलिंग: संरक्षक मंडल ने रविवार को आहूत बैठक में उम्मीदवारों से बात कर उनका पक्ष जाना और समिति के प्रति उनकी कर्तव्य निष्ठा, समर्पण और अनुभव आदि के बाबत गहनतापूर्वक आपसी विचार विमर्श किया ।

बैठक में समर्थन: इस बाबत रविवार देर शाम रामलीला भवन पर एक चुनावी बैठक हुई। जिसमें संरक्षकगण सीताराम अग्रहरि, शिवकुमार अग्रहरि, रजनीश मोदनवाल व अनिल अग्रहरि (गल्ला व्यवसाई) के नेतृत्व में बैठक आयोजित हुआ।बैठक में एडवोकेट महेंद्र वर्मा व उमेश जायसवाल ने घनश्याम जायसवाल को समर्थन दिया। वहीं कृष्णकांत सोनी और शैलेश नाग ने सीम प्रकाश अग्रहरि सिंपू को। जबकि एक का नामांकन निरस्त कर दिया गया। शेष चार प्रत्याशियों घनश्याम जायसवाल, विनोद अग्रहरि, कालीचरण जायसवाल व सीम प्रकाश अग्रहरि सिंपू के बीच सहमति न बन सकी।

मनमानी सदस्यता और बंद कमरे में वोटिंग का कड़ा विरोध: बंद कमरे में मतदान की चुनावी प्रक्रिया पर प्रश्न उठाते हुए वहां उपस्थित घनश्याम जायसवाल, कमलेश अग्रहरि, गिरधारी अग्रहरि व अन्य द्वारा कड़ा विरोध जताया गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए संरक्षक मंडल द्वारा परंपरागत रुप से नगर के गांधीनगर कलेक्टरगंज रामलीला फड़ पर आमसभा में चुनाव संपन्न कराने की घोषणा कर दी गई।

परंपरागत चुनाव और निर्धारित तिथि: भवन पर आहूत बैठक में मामूली गहमा गहमी के बीच विरोध को देखते हुए संरक्षक मंडल ने परंपरागत रूप से गांधीनगर कलेक्टरगंज फड़ पर ही चुनाव कराने को प्राथमिकता दी है। फिलहाल चुनाव की तिथि अभी निर्धारित नहीं है। संरक्षक रजनीश मोदनवाल ने बताया कि गांधीनगर कलेक्टरगंज फड़ पर परिस्थितियों के अनुरूप आम सहमति से इस बाबत निर्णय लिया जाएगातिथि निर्धारित होने पर सार्वजनिक सूचना दी जाएगी।

186 वर्षो पुरातन समिति से आम रामभक्त की आस: गौरतलब है कि विगत सत्र में लगभग 132 व्यक्तियों द्वारा रु.1000/- शुल्क प्राप्त कर उन्हें सदस्यता दी गई थी। जिसको लेकर आम जनमानस मनमाने कार्य प्रणाली का आरोप लगाते हुए आक्रोशित रहा। फिलहाल 186 वर्ष पुरानी संस्था अपने नये अध्यक्ष के चुनाव में व्यस्त हैं। वहीं आम रामभक्त किसी कर्मठ अध्यक्ष की आस लगायें बैठा है। जो रामलीला की परम्पराओं को बेहतरीन ढंग से आगे ले जा सकें।

बंद घर का ताला तोड़कर चोरों ने उड़ाए जेवरात और नकदी, पीड़िता दिल्ली से आई वापस

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के भेलूपुर थाना क्षेत्र के मानस नगर कॉलोनी में उस समय हड़कंप मच गया जब एक बंद घर का ताला तोड़कर चोरों ने सोने-चांदी के जेवरात और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। सूचना के बाद पहुंची पुलिस घटना की छानबीन में जुटी रही। पीड़िता डॉ. आभा श्रीवास्तव चार जुलाई की रात को अपने घर में ताला लगाकर दिल्ली में रहने वाली बड़ी बेटी के यहां गई हुई थीं। घर पर उस दौरान कोई मौजूद नहीं था।घटना की जानकारी आभा श्रीवास्तव को तब हुई जब पड़ोस में काम करने वाली एक महिला ने उनके भाई सुरेंद्र कुमार श्रीवास्तव को घर का ताला टूटा होने की सूचना दी। सुरेन्द्र जी ने तुरंत 112 नंबर पर कॉल कर पुलिस को जानकारी दी और साथ ही घटना की सूचना डॉ. आभा को भी दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू की। वहीं, आभा श्रीवास्तव भी रात में ही दिल्ली से वाराणसी लौट आईं। उन्होंने बताया कि चोरों ने मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर घर में घुसकर सोने-चांदी के कीमती जेवरात और लगभग दस हजार रुपये नकद चुरा लिए हैं।चोरी गए सामान की पूरी सूची वह जल्द ही पुलिस को सौंपेंगी। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और चोरों की तलाश में जुट गई है। इलाके में बढ़ती चोरी की घटनाओं से स्थानीय लोग रात में सो नहीं पा रहे है और काफी भयभीत हैं।

जमीन विवाद के निपटारे में बाधा डालने वालों पर मुकदमा, लेखपाल से दुर्व्यवहार का आरोप

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जफराबाद क्षेत्र के सुरहुरपुर गांव में जमीन विवाद के निस्तारण के लिए पहुँची राजस्व टीम के साथ दुर्व्यवहार और काम में बाधा डालने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। लेखपाल शिवराज चौहान की तहरीर पर सात लोगों के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालने का मुकदमा दर्ज किया गया है। सूत्रों के अनुसार, गांव निवासी जिलाजीत पुत्र भजनी लाल का पड़ोसी सुधीर कुमार से भूमि विवाद चल रहा था। जिलाजीत ने एसडीएम सदर को प्रार्थनापत्र देकर मामले के समाधान की गुहार लगाई थी।

एसडीएम के निर्देश पर नायब तहसीलदार महेंद्र कुमार व लेखपाल शिवराज चौहान अभिलेखीय और स्थलीय जांच हेतु मौके पर पहुंचे।जांच के दौरान ही विवादित पक्ष के कुछ लोगों ने लेखपाल द्वारा नापी के लिए उपयोग किया जा रहा फीता फेंक दिया और काम करने से रोक दिया। इतना ही नहीं, राजस्व टीम के साथ अशोभनीय व्यवहार और हंगामा किया गया। लेखपाल शिवराज चौहान ने इस संबंध में सुधीर व आनंद पुत्र हंसराज, अनुराग, अमित (पुत्रगण आनंद), रमेश पुत्र श्यामनारायण, रेहाना पत्नी आनंद और प्रज्ञा पत्नी सुधीर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि "सरकारी कार्य में बाधा डालना एक गंभीर अपराध है, और टीम के साथ जो व्यवहार हुआ, वह निंदनीय है।

जमीन विवाद को लेकर बेटे ने की पिता व बहन की बेरहमी से हत्या

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। कैंट थाना क्षेत्र स्थित प्रतापनगर कॉलोनी में मंगलवार सुबह दिल दहलाने वाली घटना सामने आई। 78 वर्षीय रिटायर्ड जलकलकर्मी रूप चंद्र भारद्वाज और बेटी शिवकुमारी (50) की बेरहमी से हत्या कर दी गई। शिवकुमारी गाजीपुर जिले के जलालाबाद हरदासपुर की निवासी थीं। हत्या का आरोप मृतक के बेटे राजेश भारद्वाज उर्फ राजू और उसकी पत्नी पर लगा है। बताया जा रहा है कि परिवार में लंबे समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। मंगलवार सुबह इसी विवाद को लेकर फिर से कहासुनी हुई, जिसके बाद आरोपी पुत्र ने ईंट और सिल-बट्टे से हमला कर अपने पिता और बहन की जान ले ली। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जबकि आरोपी को पुलिस ने हिरासत में लेकर मामले की जांच कर रही है। मौके पर अपर पुलिस आयुक्त अपराध राजेश कुमार सिंह, पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था शिवहरी मीणा, अपर पुलिस उपायुक्त नीतू और कैंट एसीपी नितिन तनेजा और कैंट इंस्पेक्टर शिवाकांत मिश्रा तैनात रहे। पुलिस के अनुसार, मौके से आरोपी को हिरासत में लिया गया है। साथ ही घटनास्थल से ईंट और लोहे की रॉड मिली है।

मॉनसून में अपनाएं आयुर्वेदिक डाइट, पाएं प्राकृतिक रूप से दमकती त्वचा : डॉ. मधुमिता कृष्णन

पटना (उत्तरशक्ति)। बारिश के मौसम में त्वचा अक्सर बेजान और रूखी हो जाती है। ऐसे में आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. मधुमिता कृष्णन का मानना है कि प्राकृतिक आहार और जीवनशैली अपनाकर त्वचा को भीतर से स्वस्थ और चमकदार बनाया जा सकता है। डॉ. मधुमिता बताती हैं कि इस मौसम में बादाम, हर्बल चाय, हल्दी, मौसमी फल, हरी पत्तेदार सब्जियां और घी को डाइट में शामिल करना बेहद फायदेमंद होता है। बादाम जहां वात दोष को संतुलित करते हैं, वहीं हर्बल चाय पाचन को दुरुस्त कर त्वचा की गंदगी बाहर निकालती है। हल्दी अपने एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों के कारण मुंहासों को कम करती है और त्वचा की चमक बढ़ाती है। उन्होंने यह भी बताया कि हरी सब्जियां जैसे पालक और मेथी शरीर को डिटॉक्स करती हैं और मौसमी फल जैसे अनार व सेब त्वचा को पोषण देते हैं। वहीं, आयुर्वेद में घी को अमृत समान माना गया है, जो त्वचा को भीतर से नमी और कोमलता देता है। डॉ. मधुमिता ने कहा ह्लत्वचा की देखभाल केवल बाहरी नहीं, आंतरिक होनी चाहिए। सही खानपान और आयुर्वेदिक दिनचर्या अपनाकर न सिर्फ त्वचा को बल्कि पूरे शरीर को सेहतमंद बनाया जा सकता है।

बिजली व्यवस्था बाधित हुईं तो कर्मचारी बर्खास्त कर दिए जाएंगे : डॉ. आशीष गोयल

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। बिजली कर्मचारियों की ओर से 9 जुलाई को सांकेतिक हड़ताल के ऐलान के बाद पावर कॉरपोरेशन अध्यक्ष डॉ. आशीष गोयल ने भी सख्त रुख अपनाया है। अध्यक्ष ने कहा है कि कोई भी विद्युत आपूर्ति को प्रभावित करेगा तो बर्खास्त किया जाएगा। जिस मुख्य अभियंता के क्षेत्र में आन्दोलन के कारण आपूर्ति प्रभावित होगी तो उस पर भी सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण ढ़ंग से विरोध प्रदर्शन से किसी को आपत्ति नहीं है लेकिन विद्युत जैसी आवश्यक व्यवस्था को प्रभावित करने वालों पर सख्त कार्यवाई होगी। यदि कोई जान बूझकर ब्रेकडाउन करेगा तो बर्खास्त किया जायेगा। जो धरना आदि करेगा, काम नही करेगा तो नो वर्क नो पे लागू होगा। कर्मचारी आन्दोलन को देखते हुए सभी जगह कंट्रोल रूम बनाए गए हैं। वैकल्पिक व्यवस्था बन गयी है। जिला प्रशासन से सम्पर्क किया गया है। सभी को एडवाइजरी जारी की गयी है। अध्यक्ष ने सभी मुख्य अभियन्ताओं को पत्र भेजकर निर्देश दिये है कि बायोमीट्रिक उपस्थिति जुलाई से सौ प्रतिशत होगी। जहां नहीं होगी वहां मुख्य अभियंता जिम्मेदार होंगे। प्रदेश के सभी वितरण निगमों के प्रबंध निदेशकों से वार्ता करते हुए पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल ने कावड़ यात्रा को लेकर सचेत रहने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ अधिकारी फील्ड में निकलें। अध्यक्ष ने कांवड़ यात्रा को सुरक्षित रखने के लिए सभी आवश्यक कार्य करने के सख्त निर्देश दिये। उन्होंने निर्देश दिया कि जहां से कांवड़ यात्रा निकलेगी वहां चौबीस घंटे विद्युत कर्मचारी तैनात रहें।

आंबेडकर की मूर्ति की क्षतिग्रस्त होने पर बढ़ा आक्रोश

गोरखपुर,उनवल। खजनी थाना क्षेत्र के रामपुर मलौली गांव में रविवार अराजकतत्वों ने भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा क्षतिग्रस्त कर दी। सुबह ग्रामीणों की नजर पड़ी तो वे आक्रोशित हो गए। इसी बीच सूचना पर सीओ खजनी उदय प्रताप सिंह, एसओ अनूप सिंह, महुआडाबर चौकी प्रभारी अभिषेक ने ग्रामीणों को समझा-बुझाकर शांत कराया। रामपुर मलौली गांव में बाबा साहब भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा है। रविवार रात अराजकतत्वों ने क्षतिग्रस्त कर दिया। सोमवार सुबह ग्रामीणों को जानकारी हुई तो वे उग्र हो गए। इसी बीच किसी ने पुलिस को सूचना दे दी। इस पर सीओ, एसओ पहुंचे तो ग्रामीणों ने नाराजगी जताई। आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। सीओ ने सभी को शांत कराया और कार्रवाई का भरोसा दिया। ग्राम प्रधान जयप्रकाश पासवान ने भी स्थिति को नियंत्रित करने में सहयोग किया। थानाध्यक्ष ने बताया कि जल्दी ही आरोपीयों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

राइफल चोरी के मामले में पूर्व ब्लॉक प्रमुख को क्लीनचिट

गोरखपुर (उत्तरशक्ति)। राइफल चोरी के आरोप में घिरे सरदारनगर के पूर्व ब्लॉक प्रमुख ईश्वरचंद्र उर्फ गुड्डू जायसवाल को चौरीचौरा पुलिस ने क्लीनचिट दे दी है। जांच में उनके ऊपर लगाए गए आरोप फर्जी निकले। दरअसल, उनके भाई ने जमीन के विवाद के चलते रायफल चोरी का आरोप लगाया था। पुलिस ने मामले में फाइनल रिपोर्ट लगा दी है। एक जून को सराफा कारोबारी रमेश चंद्र जायसवाल ने चौरीचौरा थाने में अपने बड़े भाई सरदारनगर के पूर्व ब्लॉक प्रमुख ईश्वरचंद्र उर्फ गुड्डू जायसवाल पर केस दर्ज कराया था। उनका कहना था कि उन्होंने 20 जुलाई 2011 को मुंडेरा स्थित पैतृक आवास के नीचे वाले कमरे की अलमारी में राइफल और लाइसेंस रखकर वह शहर खरीदारी करने गए हुए थे। देर रात लौटे तो अलमारी से राइफल और लाइसेंस गायब मिला। पूछताछ पर उनकी मां ने बताया कि असलहा ईश्वरचंद्र अपने साथ लेकर गए हैं। एसपी उत्तरी जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि पुलिस की जांच में सराफा कारोबारी की ओर से लगाए गए आरोप सही नहीं पाए गए। सराफा कारोबारी ने जमीन के विवाद के चलते पूर्व ब्लॉक प्रमुख पर झूठा आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया था।

मेरठ में नया ट्रैफिक प्लान जारी, बदले रूट से दिल्ली-देहरादून जाएंगे वाहन

मेरठ (उत्तरशक्ति)। कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस ने नया ट्रैफिक प्लान बना लिया है। 10 जुलाई की रात से यह लागू हो जाएगा। भारी वाहनों का प्रवेश शहर में नहीं होगा। शहर में एक लेन में कावड़िये और दूसरी लाइन में हल्का ट्रैफिक चलेगा। कांवड़ यात्रा के दौरान दिल्ली-देहरादून सहित अन्य मार्गों के लिए वाहन बदले रूट से चलेंगे। एसएसपी डॉ विपिन ताडा ने बताया कि दिल्ली से सहारनपुर, उत्तराखंड की ओर जाने वाले भारी वाहन दिल्ली से वजीराबाद पुल आउटर रिंग रोड होते हुए कुंडली, राई, सोनीपत ,पानीपत, करनाल ,यमुनानगर से होते हुए सहारनपुर एवं उत्तराखंड की ओर जाएंगे। इसी मार्ग से वापसी होंगे। गाजियाबाद से उत्तराखंड जाने वाले भारी वाहन गाजियाबाद से यूपी गेट एनएच-09 होते हुए डासना इन्टर्सेक्शन से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस्वे होते हुए राई सोनीपत,पानीपत, करनाल, सहारनपुर बाईपास एनएच-344 होकर छुटमलपुर से उत्तराखंड की ओर जाएंगे। दिल्ली से अमरोहा, मुरादाबाद जाने वाले भारी वाहन दिल्ली-गाजियाबाद से यूपी गेट गाजीपुर बार्डर से होते हुए डासना इंटरसेक्शन से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे का प्रयोग कर कोट गांव दादरी से गुजरते हुए चौकी जोखाबाद बुलंदशहर पर एक्सप्रेसवे से उतरकर भूड चौराहा-शिकारपुर तिराहा- शिकारपुर - डिवाई-गंगा बैराज बबराला से गंवा होते हुए अमरोहा जाएंगे। मुरादाबाद जाने वाले वाहन बबराला थाना गुन्नौर संभल से ही बहजोई होते हुए मुरादाबाद जाएंगे। मुरादाबाद की ओर से बागपत, शामली, करनाल जाने वाले भारी वाहन मुरादाबाद, बहजोई, बबराला, चौकी गंगा बैराज डिबाई होते हुए चौकी जोखाबाद, ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस- का प्रयोग करते हुए बागपत, शामली की और जाएंगे और इसी मार्ग से वापसी होगी।

अमेजन एमएक्स प्लेयर ने अपनी नई ओरिजिनल सीरीज मिट्टी का ट्रेलर जारी किया

मुंबई। कुछ यात्राएँ आपको दूर तक ले जाती हैं, परंतु सबसे प्रभावशाली यात्राएँ वही होती हैं जो आपको आपके घर, आपकी जन्मभूमि, आपके उद्देश्य और भविष्य तक ले जाती हैं, जिसे अभी आकार दिया जाना शेष है। अमेजन की मुफ्त स्ट्रीमिंग सेवा अमेजन एमएक्स प्लेयर ने अपनी नई ओरिजिनल सीरीज मिट्टी का ट्रेलर जारी किया है, एक दिल को छू लेने वाली कहानी, जो ग्रामीण भारत की पृष्ठभूमि में बसी है। मिट्टी शोक, संघर्ष, आत्म-विकास और इंसान के अपनी जन्मभूमि से जुड़े अटूट रिश्ते को गहराई से दिखाती है। इस सजीव और संवेदनशील ड्रामा में ईश्वक सिंह, श्रुति शर्मा, दीक्षा जुनेजा, योगेन्द्र टिकू और अल्का अमीन जैसे प्रतिभाशाली कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह ट्रेलर एक ऐसे संसार की प्रेरणादायक झलक देता है, जो अपनापन और परंपराओं से भरपूर है, लेकिन अब बदलाव की दहलीज पर खड़ा है। कहानी के केंद्र में शहर का एक सफल विज्ञापन कार्यकारी, राघव हैं, जिसकी ज़िंदगी उस समय करवट लेती है जब वह उस गाँव की ओर लौटता है, जिसे वह कभी अपना घर कहा करता था। अमेजन एमएक्स प्लेयर के डायरेक्टर और हेड ऑफ कंटेंट अमोघ दुसाद ने कहा, मिट्टी भारत के हृदय स्थल की ताकत, जुझारूपन और आत्मीयता को समर्पित एक सच्ची श्रद्धांजलि है। यह केवल 'अपने मूल स्थान की ओर लौटने की कहानी नहीं है, बल्कि गाँव को बदलने की कहानी है, जो एक व्यक्ति की व्यक्तिगत यात्रा का हिस्सा है। यह सीरीज उन सच्ची घटनाओं से प्रेरित है, जहाँ शहरी पेशेवर अपने गाँव लौटे और वहाँ सार्थक बदलाव की लौ जगाई। मिट्टी भावनाओं, महत्वाकांक्षा और बदलाव की उस दुर्लभ एकता को बेहद खूबसूरती से दशार्ती है। अमेजन एमएक्स प्लेयर पर हमें गर्व है कि हम एक ऐसी कहानी पेश कर रहे हैं जो आधुनिक भारत की भावना का उत्सव मनाती है, जहाँ खेती अब सिर्फ. परंपरा नहीं, बल्कि नवाचार और आधुनिक उद्यमिता की राह बन चुकी है।

'समुद्र किनारी गोराई माऊली चषक 2025' के भव्य आयोजन में पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने की शिरकत

बोरीवली, मुंबई। गोराई मास्टर्स क्रिकेट क्लब आयोजित कोली आगरी एकता मंडल के 40+रबर बॉल क्रिकेट स्पर्धा 'समुद्र किनारी गोराई माऊली चषक 2025' का आयोजन किया गया। गोराई समुद्र किनारा, गोराई गांव बोरीवली (पश्चिम) में हुए इस भव्य आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर मुंबई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी उपस्थित हुए और सभी ऊर्जावान खिलाड़ियों से मुलाकात कर उन्हें अपनी शुभकामनाएं दीं। इस आयोजन में उन्होंने समाज के अनेक प्रतिष्ठित नागरिकों को सम्मानित किया तथा वहां एकत्रित नागरिकों को संबोधित भी किया।

इस अवसर पर जनसेवक गोपाल शेट्टी के साथ कोली आगरी एकता समाज मंडल के अध्यक्ष मुकेश भंडारी, आदित्य भंडारी तथा दिवाकर म्हात्रे सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

इस वर्ष गुरुकुल का राष्ट्रीय अधिवेशन जयपुर में

मुंबई। हिंदी छंद शास्त्र के मर्मज्ञ, गुरुकुल के संस्थापक,महान कवि गुरु सक्सेना 'सांड़' (नरसिंह पुर म.प्र.) द्वारा प्रतिवर्ष दिया जाने वाला गुरु सक्सेना काव्य गौरव सम्मान इस वर्ष सुप्रसिद्ध कवि कैलाश सोनी सार्थक को प्रदान किया जाएगा। इस बार गुरुकुल का राष्ट्रीय अधिवेशन और परिचर्चा राजस्थान के जयपुर में 25,26,27 जुलाई 2025 को आयोजित किया गया है। पच्चीस जुलाई को चर्चा सत्र का उद्घाटन, विभिन्न छंदों पर कार्यशाला, छब्बीस जुलाई को जयपुर में शाम को नौ भिन्न-भिन्न संस्थाओं द्वारा एक साथ शहर के अलग-अलग स्थानों पर नौ कवि सम्मेलन होगें।

बाकी सत्रों में देश भर से पधारे पचहत्तर कवियों द्वारा काव्यपाठ होगा। लगातार दिन रात 24 घंटों तक एक ही एंकर द्वारा रिकॉर्ड पहली बार बनाया जा रहा है । गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड्स की टीम भी उक्त अवसर पर उपस्थित रहेगी। सत्ताइस जुलाई को शाम चार बजे इस आयोजन का सत्रावसान होगा।

गुरु सक्सेना जी का अमृत महोत्सव है इसलिए इस आयोजन में देश भर से केवल 75 बड़े कवियों को शामिल किया गया है। देश के ओज रस के शीर्ष कवि श्री हरिओम पंवार, राष्ट्रीय कवि संगम के अध्यक्ष श्री जगदीश मित्तल जैसी विभूतियां भी इस अवसर पर उपस्थित रहेंगी।

गुरूजी के नेतृत्व में संस्थापक सदस्य व महोत्सव संयोजक कवि सुरेन्द्र यादवेन्द्र और कवि किशोर पारीख इस अमृत महोत्सव को सफल बनाने में अथक प्रयत्न कर रहे हैं। इस अमृत महोत्सव में मुंबई का प्रतिनिधित्व हास्य कवि व मंच संचालक सुरेश मिश्र करेंगे।

सोनालीका ने अब तक की क्यू1 में कुल 43,603 ट्रैक्टरों की बिक्री दर्ज की

पटना (उत्तरशक्ति)। भारत से ट्रैक्टर एक्सपोर्ट में नंबर 1 ब्रांड, सोनालीका ट्रैक्टर्स अपने हेवी ड्यूटी ट्रैक्टरों द्वारा नए मानक स्थापित करने के लिए जाना जाता है, जो किसानों को बेहतर उत्पादकता और समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए अनुकूलित हैं। इस दृष्टिकोण ने कंपनी को अप्रैल-जून 2025 के दौरान कुल 43,603 ट्रैक्टरों के साथ अब तक की सर्वाधिक क्यू1 बिक्री दर्ज करने में मदद की है। यह महत्वपूर्ण छलांग हर किसान के लिए ह्यदम आगे बढ़ने काह्न वादा और 20-120 एच पी ट्रैक्टर सेगमेंट में कंपनी की अत्याधुनिक इंजीनियरिंग क्षमताओं का प्रमाण है। देश भर में मॉनसून के कारण खरीफ की बुआई में पिछले साल के आंकड़ों की तुलना में जबरदस्त वृद्धि देखी जा रही है। सोनालीका सुनिश्चित करता है कि हर किसान को उसकी फसल और मिट्टी की जरूरत के अनुसार उत्पाद मिले। कंपनी के पास 400 से ज्यादा कुशल इंजीनियरिंग विशेषज्ञ हैं जो सबसे उन्नत तकनीक से चलने वाले ट्रैक्टर विकसित करने के लिए हर किसान की प्रतिक्रिया पर कार्य करते हैं। इस उपलब्धि पर अपने विचार साझा करते हुए, श्री रमन मित्तल, जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर, इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लिमिटेड, ने कहा, हमने हर किसान की यात्रा में अपने हैवी ड्यूटी ट्रैक्टरों से 'दम आगे बढ़ने का' के वादे के साथ सार्थक योगदान देने का लक्ष्य रखा है। हमें खुशी है कि हमने कुल 43,603 ट्रैक्टरों की अब तक की सर्वाधिक क्यू1 ट्रैक्टर बिक्री दर्ज की है, जिसमें हमारा अब तक का सर्वश्रेष्ठ जून बिक्री प्रदर्शन भी शामिल है।

नशे में धुत पति ने पत्नी को चार बार चाकू घोंपा

आजमगढ़। आजमगढ़ जिले के जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र के अंजान शहीद गांव में सोमवार की सुबह में नशे में धुत एक पति ने पत्नी की गर्दन, हाथ, सीने और पेट में चाकू घोंपकर हत्या कर दी। इसके बाद घर में ताला बंद कर बाहर चला गया।

दोपहर में जानकारी होने पर पुलिस व फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल की। पड़ोसियों ने बताया कि आरोपी नशे का आदि है। जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र के अंजान शहीद गांव निवासी नूरे आलम खां मुंबई रहता था।

वह मुहर्रम के लिए चार दिन पहले मुंबई से घर आया था। नूरे आलम खां रविवार की रात 10 बजे नशे में धुत होकर पत्नी रोशन जहां से विवाद करने लगा। बात इतनी बढ़ी की नूरे आलम खां अपने बड़े पुत्र इमरान को मारने के लिए दौड़ा लिया। इमरान भागकर जीयनपुर में रह रही अपने फूफी के घर पहुंच गया और वहीं सो गया। इसके बाद नूरे आलम पत्नी से झगड़ा करता रहा।

भोर में करीब तीन बजे नूरे आलम खां अपने छोटे बेटे रेहान को मारने के लिए दौड़ा लिया। रेहान व उसके अन्य बेटे भागकर बाहर चले गए और बाहर ही सो गए। नूरे आलम खां ने अपनी पत्नी के गर्दन, हाथ, सीने और पेट में चाकू मार दिया। इससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद नूरे आलम खां घर में ताला बंद कर बाहर चला गया।

सुबह बच्चों ने जब उससे पूछा कि मां कहां है तो उसने जवाब दिया कि वह फूफी के घर गई है। दोपहर 12 बजे वह घर लौटा तो छोटे बेटे अयान से बोला तुम्हारी मां को मार दिया है। उसे लेजाकर दफन कर दो। घटना की जानकारी होते ही पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी और नूरे आलम खां को पकड़कर बैठा लिया।

मौके पर पहुंची पुलिस व फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल की जांच पड़ताल कर चली गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। रोशन जहां चार बच्चों की मां थी। बेटे रेहान ने बताया कि उसके पिता नशे में धुत होकर आए दिन मां से विवाद करते थे और मारपीट करते थे। घरेलू विवाद लगातार होता था साथ ही युवक नशे का आदी था। बच्चों को मारने का प्रयास किया लेकिन वह भाग गए। उसे हिरासत में ले लिया गया है। वह अभी भी नशे में धुत है उससे पूछताछ की जा रही है।

खेलते हुए लापता हुई मासूम, 20 घंटे बाद तालाब में मिली लाश

भदोही। भदोही जिले के गोपीगंज कोतवाली के बिरनई गांव में लापता हुई छह साल की मासूम का शव मंगलवार को गांव के स्कूल के बगल में स्थित तालाब में मिली। बच्ची सोमवार की शाम खेलते-खेलते लापता हो गई थी। सुबह से ही डॉग स्क्वायड और ड्रोन की मदद से बच्ची की तलाश चल रही थी। बिरनई गांव निवासी रामलाल यादव उर्फ रामू की छोटी बेटी आकांक्षा यादव (06) गांव के प्राथमिक विद्यालय में कक्षा एक की छात्रा थी। सोमवार की शाम वह घर से लगभग 200 मीटर स्कूल के पास स्थित मैदान में खेलने आई थी। उसके साथ उसके पड़ोस का लड़का रवि भी खेलने गया था। थोड़ी देर खेलने के बाद रवि लौट आया। हा है कि उसने आकांक्षा से भी घर चलने को कहा, लेकिन उसने थोड़ी देर बाद आने की बात कही। घर लौटा तो आकांक्षा की मां ने रवि से पूछा तो बताया कि वह थोड़ी देर बाद आएगी, लेकिन काफी देर तक जब वह नहीं लौटी तो परिजनों को चिंता सताने लगी। वे स्कूल के मैदान की तरफ जाकर उसे खोजने लगे, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। परेशान परिजनों ने बच्ची की काफी खोजबीन की। इधर सूचना मिली तो एएसपी शुभम अग्रवाल, सीओ चमन सिंह चावड़ा समेत अन्य लोग पहुंचे और डॉग स्क्वायड और ड्रोन कैमरे की मदद से झाड़ियों में बच्ची की तलाश की। काफी देर तक खोजबीन के बाद पौने दो बजे के करीब बच्ची का शव तालाब में मिला। शव मिलने के बाद परिजनों का रो- रोकर बुरा हाल हो गया। पुलिस ने आकांक्षा के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। आकांक्षा अपने एक भाई शिवांश और बहन संध्या से छोटी थी। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। एएसपी शुभम अग्रवाल ने बताया कि बच्ची के गुम होने की सूचना रात 10 बजे मिली थी। उसके बाद से ही पुलिस उसे ढूंढने में लगी थी। आज सुबह आठ बजे से ही उसे खोजा रहा रहा था। बच्ची का शव पास में एक तालाब से बरामद हुआ है। बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम के बाद ही मौत की स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

कल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाने में मीडिया की भूमिका अहम : डॉ. प्रेम कुमार

औरंगाबाद। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाने, जनता को उसके अधिकारों के प्रति जागृत करने, जनता की समस्याओं को सरकार तक पहुंचाने और अंततः उसका समाधान कराने में मीडिया की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है। मीडिया प्रशासन और आम आदमी के बीच संवाद की सीधी कड़ी है जो लोकतंत्र की मजबूती की जरूरी शर्त है। यह बिहार के सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने रविवार को स्थानीय नगर भवन में नवबिहार टाइम्स के 36 वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कही। नवबिहार टाइम्स की प्रशंसा करते हुए मंत्री ने कहा कि विगत 36 वर्षों से नवबिहार टाइम्स बिहार की आवाज बना हुआ है। उन्होंने नवबिहार टाइम्स के संपादक की सराहना करते हुए कहा कि कमल किशोर के नेतृत्व में नवबिहार टाइम्स ने पत्रकारिता के अपने मापदंड काफी ऊंचे रखे हैं और हमेशा इस अखबार ने सकारात्मक पत्रकारिता की है। उन्होंने कहा कि नवबिहार टाइम्स ने ज्वलंत मुद्दे को उठाया है और सरकार के कामकाज को जनता तक पहुंचाया है। उन्होंने स्मरण किया कि नवबिहार टाइम्स की खबर के आधार पर ही उन्होंने औरंगाबाद के पुराने बरगद वृक्ष को संरक्षित वृक्ष की घोषित किया था। उन्होंने नवबिहार टाइम्स के प्रति आभार जताया कि उनके विभाग की योजनाएं भी जन-जन तक प्रचारित करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। इस अवसर पर उन्होंने केंद्र और राज्य की एनडीए सरकार की विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि आज बिहार में सहकारिता के माध्यम से उपलब्धियां के नए आयाम लिखे जा रहे हैं। आज सहकारिता के माध्यम से कंफेड विश्व के बड़े सहकारी संगठनों में शामिल हो चुका है जिससे करोड़ों लोग लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार में पैक्सों को बहुद्देश्यीय सेवा का माध्यम बना दिया गया है और आज ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित पैक्सों से लोगों को हर प्रकार का लाभ मिल जा रहा है। सब्जी उत्पादकों के लिए भी कंफेड की तर्ज पर सरकारी समितियों गठित की जा रही हैं जो सब्जी उत्पादकों को उचित मूल्य पर बाजार उपलब्ध कराएंगी तथा सब्जी के उत्पादन, संरक्षण, भंडारण आदि की दिशा में सहयोग

देगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर मखाना उत्पादकों के कल्याण के लिए नीतीश कुमार के निर्देश में उनके विभाग द्वारा मखाना फेडरेशन बनाया जा रहा है जिससे मखाना उत्पादकों को काफी लाभ होगा। इस मौके पर विधायक आनंद शंकर ने कहा कि आज जब पत्रकारिता की निष्पक्षता को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं ऐसे में नवबिहार टाइम्स निष्पक्ष और सकारात्मक पत्रकारिता का प्रकाश स्तंभ बना खड़ा है। उन्होंने कहा कि औरंगाबाद जैसी जगह से निरंतर 36 वर्षों से एक अखबार का प्रकाशन बहुत महत्वपूर्ण बात है। उन्होंने उसके लिए नवबिहार टाइम्स के संपादक कमल किशोर और उनकी टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि स्वस्थ लोकतंत्र के लिए निष्पक्ष और सकारात्मक पत्रकारिता बेहद जरूरी है। ऐसे में नवबिहार टाइम्स जैसे समाचार पत्र ने अपनी निष्पक्षता से लोकतंत्र को मजबूती दी है। पूर्व सांसद वीरेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि उनका लगाव नवबिहार टाइम्स और इसके संपादक कमल किशोर से शुरूआती दौर से रहा है उन्होंने इस अखबार की संघर्ष यात्रा को देखा है लेकिन उसके बावजूद नवबिहार टाइम्स में हमेशा पत्रकारिता के आदर्श को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि अधिकतर अखबार औद्योगिक घराने द्वारा चलाए जा रहे हैं लेकिन नवबिहार टाइम से एक ऐसा अखबार है जो विशुद्ध रूप से एक पत्रकार के द्वारा निरंतर 36 वर्षों से निकाला जा रहा है। इस अवसर पर श्री सीमेंट लिमिटेड के परियोजना प्रमुख अतुल कुमार शर्मा , भाजपा अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक प्रमोद चंद्रवंशी, जिला परिषद के पूर्व अध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप , रेडक्रास सोसायटी के अध्यक्ष सतीश कुमार सिंह, प्रसिद्ध चिकित्सक सह जदयू के वरिष्ठ नेता डॉ. निर्मल कुशवाहा, अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ रवि रंजन, राज्य बाल कल्याण परिषद के उपाध्यक्ष अजीत कुमार सिंह, भाजपा नेता अनिल कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट उपलब्धियों के लिए शिक्षाविद सुरेश कुमार गुप्ता, डॉ अजय वर्मा, डॉ विकास कुमार , पतिनाथ पंकज , अभिषेक कुमार समेत एक दर्जन से अधिक हस्तियों को सम्मानित किया गया । कार्यक्रम का संचालन जाने - माने उद्घोषक शंकर कैमूरी एवं प्रेमेंद्र कुमार मिश्रा ने किया । इस अवसर पर देव एंड फ्रेंड्स म्यूजिकल ग्रुप के कलाकारों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया ।

'पिछले 6 महीने से अधूरा पड़ा सड़क निर्माण कार्य

आक्रोशित ग्रामीणों ने मंगलवार को विरोध जताया

सोनभद्र(उत्तरशक्ति)। जनपद के दुद्धी तहसील मुख्यालय से सटे मल्देवा गांव में पिछले 6 महीने से अधूरे सड़क निर्माण कार्य से आक्रोशित ग्रामीणों ने मंगलवार को विरोध जताया। मल्देवा गांव में जिला पंचायत द्वारा करीब 40 लाख की लागत से बनने वाली सड़क को ठेकेदार छोड़कर भाग गया। ग्रामीण नंदलाल भारती, रामलखन सिंह, श्यामबिहारी, प्रेमसिंह, प्यारेलाल सहित अन्य ग्रामीणों ने कहा कि फरवरी माह से ही दामर वाली लगभग 1 किमी की नई सड़क पर सोलिंग व भस्सी डालकर ठेकेदार गायब हो गया। सम्बंधित ठेकेदार व जेई से संपर्क कर जल्द बनवाने की मांग की गई। लेकिन 6 माह गुजर जाने के बाद भी जर्जर सड़क पर आना जाना मुश्किल हो गया है ग्रामीणों का कहना है कि दामर सड़क पर मानक के विपरीत सोलिंग व भस्सी डालकर छोड़ दिया गया। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि निरंजन जायसवाल ने कहा कि सड़क बनाने को लेकर ठेकेदार व अधिकारियों से सम्पर्क किया गया है। लेकिन ठेकेदार व अधिकारियों द्वारा सिर्फ आश्वासन दिया जा रहा है जिससे गांव के लोग आक्रोशित हो गए हैं जबकि सड़क पर डाले गए सोलिंग मिट्टी में धंस गया है उसपर निर्माण कार्य करना भी मुनासिब नही होगा जिला पंचायत विभाग के जेई विनोद वर्मा ने कहा कि डामर वाली सड़क बरसात के दिनों में नही बनता है ठेकेदार को समय से कराने के लिए कई बार कहा गया समय नही होने पर अब सितंबर के बाद ही निर्माण कार्य कराए जाएंगे।

वाराणसी में दिल दहलाने वाला कांड

संपत्ति विवाद में पिता और बहन की ईंट-पत्थर से पीटकर हत्या, बेटा गिरफ्तार

कैंट थाना क्षेत्र की प्रतापनगर कॉलोनी में मंगलवार सुबह की वीभत्स वारदात

-सुरेश गांधी

वाराणसी. संपत्ति विवाद ने एक बार फिर रिश्तों को शर्मसार कर दिया। शहर के कैंट थाना क्षेत्र अंतर्गत प्रतापनगर कॉलोनी मंगलवार सुबह उस समय दहल उठी, जब एक ही परिवार में चल रहे जमीन विवाद ने खूनी मोड़ ले लिया। 78 वर्षीय रिटायर्ड जलकलकर्मी रूपचंद्र भारद्वाज और उनकी 50 वर्षीय बेटी शिवकुमारी की बेरहमी से हत्या कर दी गई। हत्या का आरोप रूपचंद्र के बेटे राजेश भारद्वाज उर्फ राजू और उसकी पत्नी पर लगा है।

पुलिस के अनुसार, वारदात सुबह करीब 9 बजे की है। घरेलू कहासुनी के दौरान पहले बहस हुई और फिर मामला इस कदर बढ़ गया कि आरोपी बेटे ने अपने पिता और बहन पर सिल-बट्टा, ईंट और लोहे की रॉड से हमला कर दिया। हमले में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतका शिवकुमारी की पहचान गाजीपुर जिले के जलालाबाद हरदासपुर निवासी के रूप में हुई है। वह अपने पिता रूपचंद्र से मिलने प्रतापनगर स्थित उनके आवास पर आई थीं। परिवार में पहले से ही जमीन का विवाद चल रहा था, और मंगलवार को इसी विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। यह घटना न सिर्फ पारिवारिक विघटन की भयावह तस्वीर है, बल्कि समाज में बढ़ती स्वार्थपरकता और संपत्ति के लिए रिश्तों की हत्या करने की प्रवृत्ति का खतरनाक संकेत भी है। आज जब समाज आर्थिक प्रगति की बात करता है, ऐसे घटनाएं चेतावनी देती हैं कि यदि पारिवारिक मूल्यों और रिश्तों की मर्यादा नहीं बचाई गई, तो हर घर में यह हिंसा दस्तक दे सकती है।

प्रतापनगर कॉलोनी में दोहरी हत्या की खबर से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। मोहल्ले वालों की सूचना पर मौके पर तत्काल पुलिस पहुंची। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने मौके से हत्या में प्रयुक्त ईंट, लोहे की रॉड और सिलबट्टा बरामद कर लिया है।

आरोपी पुत्र राजेश भारद्वाज को मौके से ही हिरासत में ले लिया गया है। उसकी पत्नी से भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस आयुक्त एंड ऑर्डर शिवहरी मीणा, अपर पुलिस आयुक्त अपराध राजेश कुमार सिंह, एडीसीपी नीतू, कैंट एसीपी नितिन तनेजा और इंस्पेक्टर शिवाकांत मिश्रा समेत भारी पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला संपत्ति विवाद से जुड़ा लग रहा है, लेकिन अन्य पहलुओं पर भी जांच की जा रही है। आरोपी बेटे की मानसिक स्थिति, पूर्व के विवाद और पारिवारिक पृष्ठभूमि को भी खंगाला जा रहा है।

मोहल्ले वालों में दहशत, कहा ऐसा दृश्य पहले कभी नहीं देखा

घटना के प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि उन्होंने इस तरह की वारदात पहले कभी नहीं देखी थी। बुजुर्ग पिता और उनकी बेटी की इस तरह निर्मम हत्या से पूरा मोहल्ला स्तब्ध है। लोगों का कहना है कि परिवार में कुछ समय से तनाव जरूर था लेकिन कोई सोच भी नहीं सकता था कि बेटा अपने ही पिता और बहन की हत्या कर देगा। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्यवाही की जाएगी। फिलहाल आरोपी हिरासत में है और उसकी पत्नी से पूछताछ जारी है।

एशियन पेंट्स के एप्कोलाइट ऑल प्रोटेक ने लोटस इफेक्ट टेक्नोलॉजी से पेश की दाग रहित सुंदरता

पटना। एशियन पेंट्स ने अपने नवीनतम प्रोडक्ट एप्कोलाइट ऑल प्रोटेक के लॉन्च के साथ इंटीरियर पेंट्स की दुनिया में एक नया मानक स्थापित किया है। कमल के पत्ते की प्राकृतिक सेल्फ-क्लीनिंग क्षमता से प्रेरित, लोटस इफेक्ट टेक्नोलॉजी एक सुरक्षा कवच बनाती है, जो रोजमर्रा के घरेलू दागों को जमने से पहले ही हटा देती है। यह पेंट सिर्फ दाग प्रतिरोधी ही नहीं, बल्कि अग्नि प्रतिरोधक, ताजगी से भरा और सुंदर फिनिश वाला है। यह मैट और शाइन दोनों फिनिश में उपलब्ध है, और इसके साथ मिलती है 6 साल की परफॉर्मेंस वारंटी। लॉन्च के मौके पर एशियन पेंट्स के एमडी और सीईओ अमित सिंगले ने कहा, झआज के आधुनिक और व्यस्त घरों के लिए एप्कोलाइट ऑल प्रोटेक एक स्मार्ट समाधान है, जो दीवारों को साफ और सुंदर बनाए रखने में मदद करता है झ इस प्रोडक्ट को विराट कोहली के साथ एक नए टीवी विज्ञापन में लॉन्च किया गया है, जिसमें दिखाया गया है कि कैसे यह पेंट बच्चों की शरारतों और रोजमर्रा की चुनौतियों को भी आसानी से झेल लेता है।

सुधाकर राऊल को मातृ शोक

मुंबई। सुधाकर राऊल की माता श्री प्रभावती विठ्ठल राऊल ८५ वर्ष का निधन १ जुलाई को उनके निवास स्थान भवानी माता को- आप. सोसायटी ना म जोशी मार्ग जी दक्षिण मनपा आफिस के सामने मुंबई १३ को हो गया। प्रभावती मृदुभाषी मिलन सार सरल स्वभाव की थी, उनके निधन से परिसर में शोक की लहर फैल गयी है। अपने पीछे तीन बेटे एक बेटी बहुओ व नाते पोतियों से भरा पुरा परिवार छोड़ गयी हैं।

रामलीला समिति के चुनाव को लेकर जमकर हुआ हंगामा, मामला पहुंचा कोतवाली

-विशाल सोनी

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आगामी त्योहारों को देखते हुए हर दो वर्ष पर होने वाले श्री रामलीला समिति के चुनाव को लेकर जमकर हंगामा हुआ और मामला कोतवाली तक पहुंच गया। जानकारी के अनुसार पुरानी बाजार ओम शांति गली निवासी सुशील सेठ बागी पुत्र ओमप्रकाश सेठ विश्व हिंदू परिषद और रामलीला समिति के सदस्य भी हैं। ने मंगलवार को कोतवाली पुलिस को लिखित तहरीर देते हुए आरोप लगाया की रविवार को रामलीला भवन में समिति का चुनाव होना था जिसमें वह भी अध्यक्ष पद का प्रत्याशी था। कुल नौ प्रत्याशियों का काउंसलिंग होना था आरोप है की काउंसलिंग के बाद अचानक भवन में बिना अनुमति घुसते हुए गिरधारी लाल अग्रहरी पुत्र स्व. रामप्रसाद अग्रहरि आए और गाली गलौज करते हुए पीटने लगे और गला दबाकर जान से मारने की धमकी दी। युवा नेता और संघ कार्यकर्ता सुशील सेठ बागी ने तहरीर देते हुए एक नामजद और अज्ञात के खिलाफ कोतवाली पुलिस से न्याय की गुहार लगाई। इस घटना के बाद से श्री रामलीला समिति के चुनाव को लेकर स्थानीय राजनीति और धार्मिक संगठनों में हलचल मचा कर रख दिए है। फिलहाल कोतवाली पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है।

20 सूत्री बिन्दुओं को लेकर बैठक संपन्न

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति की बैठक सफलतापूर्वक मंगलवार को महाराजगंज प्रखंड के सभागार में संपन्न हुआ, इसकी अध्यक्षता महाराजगंज के वीडियो बिंदु कुमार ने की। इस बैठक में विभिन्न विकास योजनाओं और कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा महाराजगंज के सांसद जनार्दन सिंह सीग्रीवाल द्वारा की गई। बैठक में मुख्य रूप से निम्नलिखित बिंदुओं पर चर्चा हुई। जिसमें बीस सूत्री कार्यक्रम के तहत चल रही विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। विभिन्न विकास योजनाओं जैसे कि ग्रामीण विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, और अन्य क्षेत्रों में चल रही योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं और चुनौतियों पर भी चर्चा की गई। बैठक में आगे की रणनीति तय की गई। समस्याओं के समाधान और विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आगे की रणनीति पर भी विचार-विमर्श किया गया। यह बैठक प्रखंड क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देने और लोगों को अधिक से अधिक लाभ पहुंचाने के लिए महत्वपूर्ण है। बैठक में महाराजगंज के सांसद बीडीओ के अलावा बीजेपी के नगर अध्यक्ष अमरजीत सिंह, जिलामंत्री अवधेश पांडेय। अयूब मियां आदि लोग मौजूद थे।

विधिक साक्षरता जागरूकता शिविर का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आज एक विधिक साक्षरता जागरूकता शिविर का आयोजन जनपद न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनिल कुमार वर्मा के निर्देशन में बीआरपी इंटर कॉलेज जौनपुर में आयोजित किया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए अपर सत्र एवं जनपद न्यायाधीश तृतीय जौनपुर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रशांत कुमार सिंह द्वारा प्राधिकरण एवं दवाओं के दुरुपयोग के बारे में विस्तार से सारगर्भित जानकारी देते हुए प्राधिकरण द्वारा दी जाने वाली निशुल्क सेवाओं का लाभ उठाने और हर प्रकार के नशा से और दवाओं के दुरुपयोग से बचने के लिए विस्तार पूर्व के समझाया गया। सचिव द्वारा यह बताया गया कि किस तरह से छोटे बच्चे और किशोर आयु के लोग नशा और गलत दवाओं के सेवन के उत्सुकता से और बड़ों की देखा देखी अभ्यस्त हो जाते हैं। उन्होंने छात्र-छात्राओं को नशा से बचने के लिए और इस बारे में जागरूकता फैलाने का भी आवाहन किया। इसी क्रम में तहसीलदार सौरभ कुमार, डॉ0 दिलीप कुमार सिंह डिप्टी चीफ डिफेंस काउंसिल जौनपुर, अनुराग चौधरी असिस्टेंट डिफेंस काउंसिल जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जौनपुर, रजत पांडे ड्रग इंस्पेक्टर, देवेंद्र कुमार यादव पैनल लॉयर, नीरज श्रीवास्तव नगर शिक्षा अधिकारी जौनपुर, चंदन राय बाल संरक्षण अधिकारी द्वारा विस्तार से प्रशासन द्वारा इस संदर्भ में की जा रही कार्यवाही, मध्यस्थता और डिफेंस सिस्टम औषधीय के उपयोग और दुरुपयोग महिलाओं और बालकों के अधिकार और कर्तव्य और शासन प्रशासन पुलिस के निशुल्क सेवाओं और मोबाइल नंबरों के बारे में मध्यस्थता और सुलह समझौता के बारे में विस्तार से समझाया गया और यह बताया गया कि किस प्रकार संकट काल में इसका लाभ उठाया चाहिए कि अभी बताया गया कि अगर पुलिस और प्रशासन द्वारा लापरवाही किया जाए तो निशुल्क सेवा जिला विधिक प्राधिकरण जौनपुर द्वारा लिया जा सकता है इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षकगण छात्र छात्रा में संभ्रांत लोग और विशिष्ट लोगों के अलावा प्रिंट इलेक्ट्रानिक मीडिया के लोग और अन्य लोग उपस्थित रहे बैठक में धन्यवाद प्रस्ताव प्रधानाचार्य डॉ0 प्रमोद श्रीवास्तव बीआरपी इंटर कॉलेज जौनपुर द्वारा किया गया इस सेमिनार का उत्तम ढंग से संचालन डॉ दिलीप कुमार सिंह डिफेंस काउंसिल जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जौनपुर के द्वारा किया गया।

जौनपुर: स्कूल विलय के विरोध में फूटा शिक्षकों का गुस्सा

जौनपुर(उत्तरशक्ति)।शिक्षा व्यवस्था के खिलाफ लिए जा रहे हृदयमनकारी निर्णयों के विरोध में मंगलवार को जनपद के शिक्षकों का आक्रोश बीएसए कार्यालय परिसर में फूट पड़ा। स्कूलों के मनमाने विलय, प्रधानाध्यापकों व रसोइयों के पद समाप्त करने और शिक्षकों की अन्य मांगों को लेकर प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले हजारों शिक्षक सड़कों पर उतर आए।

धरना प्रदर्शन की अगुवाई कर रहे प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अरविंद कुमार शुक्ल ने कहा कि सरकार द्वारा शिक्षा की जड़ें काटने का जो प्रयास हो रहा है, उसे शिक्षक समाज कभी स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने अपना रवैया नहीं बदला, तो यह आंदोलन जिले की सीमाओं को लांघते हुए प्रदेशव्यापी जनांदोलन में तब्दील होगा। धरना स्थल पर सरकार विरोधी नारों से माहौल गरमा गया। शिक्षकों ने हाथों में तख्तियां लेकर स्कूलों के जबरन विलय, प्रधानाध्यापकों को सरप्लस घोषित करने और रसोईयों की छंटनी को शिक्षा व्यवस्था का गला घोंटना बताया। संघ ने स्पष्ट किया कि इन निर्णयों से न सिर्फ शिक्षकों के रोजगार पर संकट है, बल्कि ग्रामीण शिक्षा व्यवस्था भी पूरी तरह से चरमरा जाएगी।

जिलाध्यक्ष अरविंद शुक्ल ने धरना स्थल से ऐलान किया कि जब तक सरकार निम्नलिखित मांगे नहीं मानती, तब तक आंदोलन चरणबद्ध रूप से जारी रहेगा। स्कूलों का जबरन विलय तत्काल रोका जाए। प्रधानाध्यापकों व रसोइयों के पद समाप्त करने का निर्णय वापस लिया जाए। पुरानी पेंशन योजना को बहाल किया जाए। शिक्षकों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा लागू की जाए। शिक्षकों को भी राज्यकर्मियों की तरह अवकाशों की सुविधा मिले। प्राथमिक विद्यालयों का समय सुबह 7:30 से दोपहर 12:30 तक निर्धारित किया जाए। 12 वर्ष की सेवा पर माध्यमिक शिक्षकों की भांति प्रोन्नत वेतनमान दिया जाए। विद्यालय संचालन में शिक्षकों पर थोपे गए गैर-शैक्षणिक कार्यों पर रोक लगे। शिक्षा विभाग में स्थानांतरण नीति पारदर्शी बनाई जाए। रिक्त पदों की शीघ्र पूर्ति की जाए। धरने का संचालन रामदुलार ने किया और अंत में मुख्यमंत्री को संबोधित 10 सूत्रीय ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से शासन को सौंपा गया।

मलमलिया ट्रिपल हत्याकांड में कानून अपना काम कर रहा है: सांसद

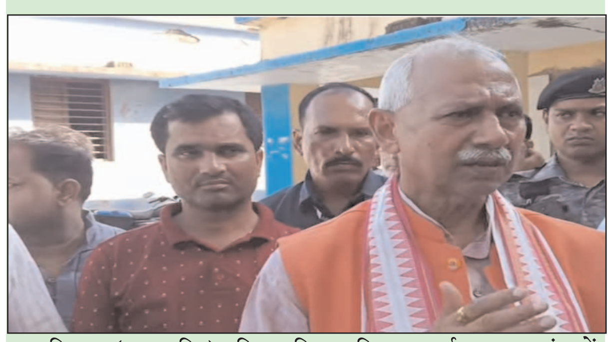

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अतर्गत महाराजगंज में, मलमलिया ट्रिपल हत्याकांड में अपराध करने वाले अपराधी को बक्सा नहीं जाएगा। कानून का हाथ लंबा होता है, कानून अपना काम कर रहा है। सभी संलिप्ट अपराधी गिरफ्तार किए जाएंगे। वो अपराधियों को सहयोग करने वाले भी कानून के रस्से में बांधे जाएंगे। खुद सारण के डीआईजी निलेश कुमार, इसका मॉनिटरिंग कर रहे हैं। केस में लापरवाही करने वाले अधिकारी भी नपेंगे। उन्होंने कहा है कि रोज-रोज मैं मलमलिया हत्याकांड का मॉनिटरिंग कर रहा हूं। समाज को कानून में भरोसा रखना चाहिए। पावर से अधिक शक्ति कानून में होती है, जनता का सहयोग होना चाहिए, कानून अपना काम कर अपराधियों को सलाखों के पीछे रखेगा। मौके पर बीजेपी नेता अमरजीत सिंह, दारा सिंह, राहुल सिंह, दिलीप कुमार सिंह, प्रेमचंद प्रसाद, बीजेपी नेत्री सुप्रिया कुमारी, मोहन कुमार पद्माकर आदि लोग मौजूद थे।

नरेंद्र प्रताप बनें केराकत ब्लाक अध्यक्ष, पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं में दौड़ी खुशी की लहर

केराकत, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय के निर्देश पर जौनपुर जिले में पड़ने वाले सभी ब्लाकों में बनाये गये ब्लाक अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी की नई कार्यकारिणी घोषित की नई। जिसमें वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एवं पूर्व केराकत ब्लाक अध्यक्ष रहे लालता प्रसाद चौधरी के छोटे भाई नरेन्द्र प्रताप को उनकी मेहनत और सक्रियता को देखते हुए उनको केराकत ब्लाक अध्यक्ष बनाया गयाहै। आपको बताते चलें कि नरेंद्र प्रताप केराकत तहसील क्षेत्र के उदैचन्दपुर के निवासी हैं। जारी हुई ब्लाक अध्यक्षों की नई लिस्ट में केराकत ब्लाक अध्यक्ष नरेन्द्र प्रताप के नाम देखकर पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं नें काफी संख्या में लोगों नें ब्लाक अध्यक्ष केराकत नरेन्द्र प्रताप को फूल मालाओं से उनका स्वागत किया।और एक दूसरे को मिष्ठान खिलाकर खुशी का इजहार किया गया। स्वागत स्वागत के इस मौके पर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एवं निवर्तमान ब्लाक अध्यक्ष केराकत लालता प्रसाद चौधरी ने कहा कि यह मेरे छोटे भाई की मेहनत और बड़े बुजुर्गो तथा पार्टी के कार्यकताओं का आशिर्वाद की देन है। कांग्रेस कमेटी ने उन्हें केराकत का ब्लाक अध्यक्ष बनाकर उन्हें यह नई जिम्मेदारी सौपीं है। इस अवसर पर कार्यकताओं द्वारा खूब नारे लगाए गये। हमारा नेता कैसा हो नरेन्द्र प्रताप जैसा हो, नरेन्द्र प्रताप आप संघर्ष करो हम सब आपके साथ हैं के नारों से गूंज उठा केराकत का सिहौली चौराहा।

इस अवसर पर अध्यक्ष नरेन्द्र प्रताप नें कहा कि मीडिया के माध्यम से मैं सर्व प्रथम धन्यवाद देता हूं अपने संघर्ष शील, निर्भीक प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को की आपने मुझपर भरोसा करके जो ये नई जिम्मेदारी दी है मैं कोशिश करूंगा कि इस पद की गरिमा को बनाए रखते हुए पूरे इमानदारी से निष्ठा पूर्वक पार्टी की सेवा करता चला आ रहा हूं और आखरी सांस तक करूंगा।

बड़ा हादसा: हवा में टकराए दो ट्रेनिंग विमान, दो छात्र पायलटों की दर्दनाक मौत

दक्षिण मैनिटोबा। दक्षिण मैनिटोबा के स्टाइनबैक (रझ्रेल्लुँ) शहर के पास मंगलवार सुबह दो छोटे विमानों की हवा में टक्कर हो गई, जिसमें दो छात्र पायलटों की मौत हो गई। यह दर्दनाक हादसा सुबह करीब 8:45 बजे, हनोवर नामक ग्रामीण क्षेत्र में हुआ, जो स्टाइनबैक के दक्षिण में स्थित है।

फ्लाइंग स्कूल के अध्यक्ष एडम पेनर ने पुष्टि की कि दोनों विमान फ्लाइट ट्रेनिंग (उड़ान प्रशिक्षण) के दौरान हवा में एक-दूसरे से टकरा गए। हादसे में मारे गए दोनों पायलट फ्लाइंग स्कूल के छात्र थे और उस वक्त अकेले विमान में थे। किसी यात्री की मौजूदगी नहीं थी।

वसई के विकास हेतु स्नेहा दुबे कटिबद्ध

-नरेन्द्र सोनी/ वसई रोड। वसई के समग्र विकास के लिए विधायक स्नेहा दुबे पंडित का विधानसभा में दृढ़ रुख करते हुए विधानसभा मे बोला की मत्स्य पालन और गृह विभाग से जुड़ी कई महत्वपूर्ण मांगें सदन में है। विधान भवन, मुंबई में आयोजित अनुपूरक मांग पर चर्चा में वसई विधायक एडवोकेट स्नेहा दुबे पंडित ने वसई में मत्स्य पालन और गृह विभाग से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर दृढ़ रुख अपनाया और सदन में निम्नलिखित मांगें उठाईं। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा लाभार्थिमुख योजना विधायक पंडित ने इस योजना के विस्तार की मांग की। सुसज्जित मछली बाजारों की मांग झ उन्होंने वसई विधानसभा क्षेत्र के पाचुबंदर, अनार्ला, नायगांव में मछुआरों के लिए आधुनिक और सुसज्जित मछली बाजार स्थापित किए जाने की पुरजोर मांग की। आधुनिक मत्स्य प्रशिक्षण केंद्र झ पचुबंदर डंपिंग ग्राउंड के बंद होने के बाद, उस स्थान का समुचित उपयोग करते हुए, मछली व्यवसाय से जुड़ी युवा पीढ़ी के लिए आधुनिक प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने की मांग की गई। मत्स्य व्यवसाय को कृषि का दर्जा देने के लिए सरकार को धन्यवाद झ साथ ही, 26-27 नवंबर, 2024 को बेमौसम बारिश से हुए नुकसान के लिए 1004 मछली व्यवसायियों को 56,54,800/- रुपये का मुआवजा देने और अनुवर्ती कार्रवाई करने की मांग की गई।

अनार्ला के मरीजों को सुविधाएं को लेकर बैठक सम्पन्न

वसई। अनार्ला के मरीजों को सुविधाएं और विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध कराने के लिए संजीवनी अस्पताल, विरार और स्वामी विवेकानंद अस्पताल ट्रस्ट, अनार्ला के संयुक्त तत्वावधान में आज अनार्ला के स्वामी विवेकानंद ऑडिटोरियम में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में संजीवनी अस्पताल के अध्यक्ष विवेक सामंतजी, सचिव महेश देसाई ने बहुत ही सकारात्मक चर्चा की और विभिन्न रोगों के लिए विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवाएं उपलब्ध कराने की मांग को स्वीकार किया। स्वामी विवेकानंद अस्पताल के अध्यक्ष राजेंद्र नारायण पाटिल और भाजपा पूर्व अध्यक्ष महेंद्र पाटील ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया। इस समय, सरपंच नंदकुमार घरत, वसई तालुका सी फिशिंग फिशिंग पाटसांसा के अध्यक्ष और ट्रस्टी मोरेश्वर वैती, अनार्ला मछुआरा समाज के अध्यक्ष रमन खेलिया, अनार्ला मछुआरा समाज के अध्यक्ष विल्सन जामन, अरनाला किसान समाज के अध्यक्ष किरण पाटिल, बंदरपाड़ा मंगेला समाज ग्राम के पाटिल दयानंद म्हात्रे, विंसेंट डी पॉल सोसायटी के अध्यक्ष जॉनसन बेनका, क्रिश्चियन कोली सोसायटी के विजय थाटू, वसई प्रगति सोसायटी के प्रबंधक दीपक भोईर, पाथे सहकारी सोसायटी के अध्यक्ष भरत पाटिल, रिक्शा ड्राइवर ओनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अरविंद पाटिल, ग्राम पंचायत सदस्य दरक्या चावरे और विभिन्न संगठन के पदाधिकारी उपस्थित थे।

काशी में गंगा का रौद्र रूप : 22 से अधिक घाटों का टूटा संपर्क

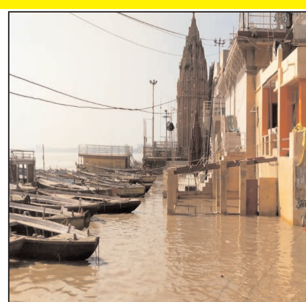

वाराणसी. देवाधिदेव महादेव की नगरी काशी में जहां गंगा हर दिन श्रद्धा का केंद्र होती है, वहीं इस समय मां गंगा ने रौद्र रूप धारण कर लिया है। बीते तीन दिनों से लगातार जलस्तर में हो रही बढ़ोतरी ने न सिर्फ घाटों की रेखाएं लील ली हैं, बल्कि शहरवासियों की चिंता भी बढ़ा दी है। गंगा का जलस्तर अब हर घंटे औसतन एक सेंटीमीटर की गति से बढ़ रहा है, जिससे बाढ़ जैसे हालात बनते जा रहे हैं।

केंद्रीय जल आयोग की ताजा बाढ़ बुलेटिन के अनुसार, सोमवार रात 8 बजे गंगा का जलस्तर 63.10 मीटर दर्ज किया गया। जबकि मंगलवार को 64 मीटर पार कर गया। यह वाराणसी के लिए एक अहम चेतावनी है, क्योंकि गंगा के जलस्तर में केवल 24 घंटे में 20 सेंटीमीटर की वृद्धि दर्ज की गई है। अब तक दशाश्वमेध, राजेन्द्र प्रसाद, मणिकर्णिका, हरिश्चंद्र, अस्सी, सिंधिया सहित 22 से अधिक घाटों का संपर्क आमजन से कट गया है। कई स्थानों पर सीढ़ियां पूरी तरह जलमग्न हो चुकी हैं, जबकि कई घाटों पर पानी मंदिरों की सीढ़ियों तक पहुंच चुका है। गंगा के बढ़ते जलस्तर को लेकर जल आयोग के विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर भारत के कई हिस्सों में हो रही भारी बारिश के कारण गंगा की सहायक नदियों में भी जलप्रवाह तेज हुआ है, जिससे गंगा में जलभराव तेजी से बढ़ रहा है। यदि वर्षा की यही गति बनी रही, तो आगामी दो दिनों में जलस्तर चेतावनी बिंदु के निकट पहुंच सकता है।

गंगा आरती स्थल में बदलाव संभव

दशाश्वमेध घाट द्द जहां रोज शाम को होने वाली विश्वविख्यात गंगा आरती हजारों श्रद्धालुओं को आकर्षित करती है द्द अब जलस्तर बढ़ने के कारण संकट में है। संभावना जताई जा रही है कि आरती स्थल को ऊपरी हिस्से या वैकल्पिक स्थान पर स्थानांतरित किया जा सकता है। प्रशासन सतर्क है और सुरक्षात्मक इंतजामों की समीक्षा कर रहा है।

कैसे बढ़ता गया जलस्तर

रविवार, सुबह 8 बजे 62.78 मीटर. सोमवार, सुबह 8 बजे 62.98 मीटर. सोमवार, रात 8 बजे 63.10 मीटर. इस तरह गंगा में हर घंटे औसतन 1 सेंटीमीटर की रफ्तार से जलस्तर में बढ़ोतरी हो रही है। मौसम विभाग और जल आयोग के अनुसार, अगले 24 घंटे बेहद अहम हैं।

बढ़ती चिंता : स्थानीयों के लिए अलर्ट

जलस्तर की यह तेजी से होती बढ़ोतरी आम लोगों के लिए चिंता का विषय बन गई है। घाटों के किनारे दुकानें लगाने वाले, साधु-संत, नाविक और मंदिरों में पूजा कराने वाले पुरोहितों के लिए यह स्थिति संकट जैसी हो गई है। प्रशासन ने निचले इलाके के निवासियों को सतर्क रहने और आवश्यक सामानों के साथ तैयार रहने की सलाह दी है। नगर निगम द्वारा बाढ़ राहत केंद्रों की तैयारी की जा रही है और नावों को तैयार रखा गया है।

आस्था बनाम आपदा की आशंका

गंगा सिर्फ नदी नहीं, काशी की आत्मा हैं। लेकिन जब वही जीवनदायिनी जलधारा विकराल रूप ले ले, तो यह भावनाओं और व्यवस्था दोनों की परीक्षा बन जाती है। घाटों की रौनक, आरती की गूंज, और नावों की हलचल द्द सब पर जलस्तर की एक अदृश्य तलवार लटक रही है। काशीवासियों को अब प्रशासन से बेहतर प्रबंधन, जल आयोग से सटीक अनुमान और मौसम विभाग से लगातार अपडेट की आवश्यकता है। आने वाले दिन यह तय करेंगे कि यह केवल अस्थायी बाढ़ का संकट है, या किसी बड़े खतरे की आहट। काशी में गंगा का रौद्र रूप केवल भौगोलिक आपदा नहीं, सांस्कृतिक व्यथा भी है। आस्था और आपदा के इस द्वंद्व में शहर की धड़कनें तेज हो गई हैं। प्रशासन, श्रद्धालु और गंगा किनारे बसे लोग अब मां गंगा से करबद्ध प्रार्थना कर रहे हैं, कि वे फिर से शांत हो जाएं।

विद्युत विभाग संबंधी बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता और पुलिस अधीक्षक डा0 कौस्तुभ की उपस्थिति में विद्युत विभाग संबंधी बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि उत्तर प्रदेश के ऊर्जा क्षेत्र में होने वाले आगामी सुधारों के दृष्टिगत कर्मचारी संगठनों में संभावित असंतोष के दृष्टिगत किसी भी प्रकार से विद्युत व्यवस्था में व्यवधान न उत्पन्न होने पाए, इसी के संबंध में जिलाधिकारी द्वारा विद्युत विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय कर स्थिति से निपटने के निर्देश दिए तथा सख्त निर्देश दिए कि इमरजेंसी सेवाओं पर इसका प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए।पुलिस अधीक्षक ने पुलिस विभाग के अधिकारियों को भी तैयारियों के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा निर्देश दिये।इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 रामअक्षयवर चौहान, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अम्बष्ट, नगर मजिस्ट्रेट इन्द्रनन्दन सिंह, विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता सहित अन्य उपस्थित रहे।